पी-एच.डी. समाजशास्त्र

Ph.D. Sociology

पाठ्यक्रम/सत्र : 2020 – 21

SYLLABUS/SESSION 2020-21

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA
WARDHA, MAHARASHTRA

13-06-2020

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

समाजशास्त्र विभाग
DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

समाजशास्त्र विभाग संपूर्ण सामाजिक संस्थाओं एवं सामाजिक प्रघटना केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय –

समाजशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय के नवीनतम विभागों में से एक है जिसकी शुरुआत शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में की गई। यह विभाग विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत कार्य करते हुए, हिंदी भाषा के संवर्धन और विकास के साथ ज्ञान, शांति एवं मैत्री की परिकल्पना से आबद्ध अध्ययन/ शोध/ अनुसंधान आदि को समृद्ध करने के मूल उद्देश्यों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाजशास्त्र विभाग निम्न उद्देश्यों को केंद्र में रखकर कार्य कर रहा है-

1. सामाजिक तथ्यों की व्यापक समझ की दिशा में भारतीयता और भारतीय दृष्टि को ध्यान में रखते हुए अंतरविषयी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना।
2. विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराना तथा भारत में समाज और समाजशास्त्र के प्राचीन से अर्वाचीन तक के स्वरूप और परंपरा से अवगत कराना।
3. समझने पर बल देने और व्यवहारात्मक क्रियाओं या प्रैक्टिकम के माध्यम से समाजशास्त्र एवं उसके संबद्ध विषयों में छात्रों की शोध संबंधी प्रविधिगत क्षमता का संवर्धन करना।
4. वैश्विक को स्थानीय के साथ, व्यक्तिनिष्ठ को वस्तुनिष्ठ के साथ, तथ्यों को मूल्यों के साथ तथा परिमाणात्मक को गुणात्मक के साथ जोड़ते हुए गहन एवं अत्याधुनिक समाज-वैज्ञानिक अनुसंधान और मौलिक सामाजिक मुद्दों के विश्लेषण की संस्कृति को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना।
2. सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना।

15-8-2020

3. ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
4. हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना।
5. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना।
7. अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना।
8. सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन।
9. विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन।
10. छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन।
11. वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

अध्ययन आयोजन एवं मूल्यांकन पद्धति –

1. इस पाठ्यक्रम (पीएच.डी.) के लिए न्यूनतम 03 वर्ष तथा अधिकतम 06 वर्ष की अवधि निर्धारित है। यह पाठ्यक्रम एम.ए. उत्तीर्ण के लिए कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. उत्तीर्ण के लिए 100 क्रेडिट का है।
2. प्रश्नपत्र (Paper) के लिए पाठ्यचर्या (Course) शब्दा का प्रयोग किया गया है। पाठ्यक्रम आधार (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) तथा मूल (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) पाठ्यचर्याओं में विभाजित है।
3. क्रेडिट पाठ्यचर्या के मूल्यांकन की इकाई है, जिसका मान-निर्धारण कार्य-दिवसों के बजाय वास्तविक शिक्षण/अध्ययन के घंटो पर किया गया है।
4. कोर्स वर्क के लिए अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पाठ्यचर्या 2 अथवा 4 क्रेडिट की होगी। पाठ्यचर्याओं का निर्धारण संबंधित अनिवार्य एवं ऐच्छिक में 2 और 4 क्रेडिट दोनों प्रकार की पाठ्यचर्या रखी गई है।
5. विभिन्न पाठ्यचर्याओं के मूल्यांकन के लिए सेमेस्टर की लिखित परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के बीच 3:1 (75/25) का अनुपात होगा।
6. पी-एच.डी. कोर्स वर्क के लिए परीक्षा प्रणाली (लिखित परीक्षा हेतु) इस प्रकार होगी :

(i)	दीर्घउत्तरीय/वर्णनात्मक	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
(ii)	लघुउत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
(iii)	बहुविकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
...	...	...	कुल 75 अंक

7. अंकों का ग्रेड प्वाइंट/क्रेडिट प्वाइंट के रूपांतरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुरूपता में 10 प्वाइंट स्केल पर किया जाएगा।

13-08-2020

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

समाजशास्त्र विभाग

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित पी-एच. डी. पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनिवार्य (आधार एवं मूल) तथा ऐच्छिक (आधार एवं मूल) पाठ्यचर्याओं का विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम	सेमेस्टर	क्रेडिट	अवधि	सेमेस्टर	अनिवार्य (क्रेडिट प्रति सेमेस्टर 20 कुल)				ऐच्छिक				कुल क्रेडिट
					आधार (Foundation)		मूल (Core)		आधार (Foundation)		मूल (Core)		
					पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	
पी-एच.डी. समाजशास्त्र	न्यूनतम 06 अधिकतम 12 सेमेस्टर	120 /100 क्रेडिट (एम.ए. उत्तीर्ण हेतु कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. उत्तीर्ण हेतु 100 क्रेडिट)	1 क्रेडिट = 30 घंटे	सेमेस्टर I*	• कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04	• समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि • समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार • प्रैक्टिकम (पायलट स्टडी और साहित्य पुनरावलोकन) • शोध प्रस्ताव निर्माण एवं प्रस्तुति	04 04 02 02	• अंतरानुशासनिक अध्ययन	04	-	-	20
				न्यूनतम 05 सेमेस्टर तथा अधिकतम 12 सेमेस्टर			• टीचिंग एसोसिएटशिप • शोध पत्र/क्षेत्र कार्य प्रतिवेदन आदि • शोध प्रबंध लेखन • मौखिकी	10 10 60 20					100
												कुल क्रेडिट	120

टिप्पणी - *एम. फिल. उपाधि प्राप्त शोधार्थियों को कोर्स वर्क (20 क्रेडिट) से मुक्त रखा गया है। एम. फिल. के 20 क्रेडिट पी-एच.डी. में स्थानांतरित किये जाएंगे।

- अन्य मामलों अथवा समस्या निवारण के लिए विश्वविद्यालय का संबंधित अध्यादेश अथवा सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

13-08-2020

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 01

कम्प्यूटर अनुप्रयोग (आधार) (क्रेडिट - 04)

'लीला' के पाठ्यक्रम पर आधारित अध्यापन

13-08-2020

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 02

समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई-1 शोध एवं शोध के प्रकार

- शोध की परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य और विशेषताएँ
- शोध में वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता के मुद्दे तथा नैतिकता
- शोध के विभिन्न प्रकार (बुनियादी एवं व्यवहारमूलक, वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक, आनुभविक एवं अन्वेषणात्मक, मात्रात्मक एवं गुणात्मक, व्याख्यात्मक (कारणात्मक-कार्य), प्रयोगात्मक एवं मूल्यांकनात्मक तथा क्रियात्मक शोध)

इकाई – 2 आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं तकनीक

- आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत
- आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण
- निदर्शन

इकाई – 3 शोध पद्धतियाँ

- सर्वेक्षण विधि, वैयक्तिक अध्ययन, अंतर्वस्तु विश्लेषण
- ऐतिहासिक/ आर्काइवल विश्लेषण
- पी.आर.ए., एफ.जी.डी., साक्षात्कार
- समाजमिति तथा आख्यान एवं नृजाति अध्ययन पद्धति

इकाई - 4 शोध प्रक्रिया की संरचना एवं प्रस्तुतीकरण

- शोध प्रक्रिया की संरचना (शोध समस्या का चुनाव, साहित्य समीक्षा, शोध के दायरे एवं इकाइयों का निर्धारण, परिकल्पना निर्माण, सैद्धांतिक उन्मुखता, पथ-प्रदर्शक अध्ययन (पायलट स्टडी), प्रतिचयन, तथ्य संग्रहण, विश्लेषण, व्याख्या और रिपोर्ट लेखन)
- शोध प्रतिवेदन (लेखन के चरण और लेखन के बाद के चरण) एवं संदर्भ ग्रंथ सूची (एम.एल.ए., ए.पी.ए. एवं शिकागो) का प्रस्तुतीकरण
- साहित्यिक चोरी : अवधारणा, प्रकार, स्तर, बचाव और दंड

13-09-2020

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध प्रस्ताव का निर्माण करना।
- शोध पत्र लिखना।
- शोध पत्र को प्रस्तुत करना।
- समाज की समस्याओं को देख पाने की अंतरदृष्टि।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- शोधार्थी शोध और उसके चरण से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध समस्या और प्राक्कलपना से परिचित होंगे।
- शोधार्थी विभिन्न शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी आकड़ों के प्रकार, स्रोत एवं संग्रहण उपकरणों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध में आकड़ों के संग्रहण, विश्लेषण और निर्वचन को जानेंगे।
- शोधार्थी शोध निष्कर्ष लेखन को जानेंगे।
- शोधार्थी संदर्भ और ग्रंथ-सूची निरूपण से भी परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Barnes, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.

13-08-2020

- Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

नोट : यदि विश्वविद्यालय स्तर पर सामान्य रूप से इस पाठ्यचर्या (इकाई-4) के अध्यापन की व्यवस्था होगी तो ऐसी दशा में विभाग में नहीं पढ़ाया जाएगा।

13-08-2020

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 03
समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई-1 समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, उपयोगिता, प्रकार एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव तथा भारतीय समाज के अध्ययन के विभिन्न परिप्रेक्ष्य

इकाई-2 संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास तथा इनके नव-प्रकार

इकाई-3 प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, व्याख्यात्मक समाजशास्त्र, जीवन-विश्व सिद्धांत, आधुनिकता की आलोचना, सार्वजनिक क्षेत्र व संचार क्रिया सिद्धांत, सामाजिक हस्तक्षेप और सांस्कृतिक उपयोगिता के सिद्धांत

इकाई-4 सैद्धांतिकरण की नव-प्रवृत्तियाँ : संवेदनशीलता और आधुनिकता (एंथनी गिर्डेंस), ज्ञान और शक्ति (एम. फ़ोकाल्ट), उत्तर औद्योगिक समाज, सूचना समाज एवं सर्विलांस, वैश्वीकरण की चुनौटिया एवं संभावनाएं, अभ्यास के सिद्धांत (बोर्दियु)

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- शोधार्थियों में समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की महत्ता एवं व्यापकता को समझाना।
- सामाजिक प्रघटनाओं को विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोणों से समझने की दृष्टि विकसित कराना।
- सामाजिक दृष्टि से सैद्धांतिक हस्तक्षेप एवं उसके परिणाम से अवगत कराना।

अधिगम परिणाम :

- शोधार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों के अर्थ एवं विस्तार को समझ सकेंगे।
- शोधार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- शोधार्थी नव संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- शोधार्थी प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी समाजशास्त्र में सैद्धांतिकरण की नई प्रवृत्तियों और चुनौतियों से भी परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Alexander, Jeffrey C. (ed.) (1985). Neo-functionalism. London: Sage.
- Appelrouth, Scott. and Edles, D. (2008). Classical and Contemporary Sociological Theory: Text and Readings. California : Pine Forge Press.
- Bell, D. (2008). The Coming of Post-Industrial Sociology. Cambridge : Polity Press.

13-08-2020

- Bourdieu, Pierre. (1990). In Other Words: Essays Towards a Reflexive Sociology. Oxford : Polity Press.
- Collins, R. (1997). Sociologic Theory. New Delhi : Rawat.
- Connerton, Paul (ed.). (1976). Critical Sociology. Harmondsworth : Penguin.
- Dahrendorf, Ralf. (1979). Class and Class Conflict in Industrial Society. London : Routledge and Kegan Paul.
- Dhanagare, D.N. (1993). Themes and perspectives in Indian sociology. Jaipur : Rawat Publication.
- Giddens, A. (1983). Central Problems in Social Theory: Action, Structure and Contradiction in Social Analysis. London : Macmillan.
- Luckmann, Thomas (ed.). (1978). Phenomenology and Sociology: Selected Readings. New York : Penguin Books.
- Marx, K & Engels, F. (1970). The German Ideology. New York : International Publishers Co.
- Merton, R. K. (1968). Social Theory and Social Structure. New York : Free Press.
- Parsons, Talcott (et. al.). (1965). Theories of Society: Foundations of Modern Sociological Theory. New York : Free Press.
- Radcliffe-Brown, A.R. (1952). Structure & Function in Primitive Societies London : The English Language Book Society Ltd.
- Ritzer, G. (1992). Sociological Theory. New York : McGraw Hill.
- Singh, Yogendra. (1983). Image of Man: Ideology & Theory in Indian Sociology. New Delhi : Chanakya Publications.
- Strauss, Levi. (1953). Social Structure. Chicago : University Press.
- Timasheff, N. S. (1967). Sociological Theory. New York : Random House.
- Zeitlin, I. M. (1998). Rethinking Sociology: A Critique of Contemporary Theory. New Delhi : Rawat.
- त्रिवेदी, एस. एम. एवं दोषी, एल. एस. (1996). उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2007). आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- नगला, के. बी. (2015). भारतीय समाजशास्त्रीय चिंतन. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2003). समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार. जयपुर: रावत प्रकाशन.

13-08-2020

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 04
शोध प्रस्ताव निर्माण एवं प्रस्तुति (मूल) (क्रेडिट - 02)

- इस पत्र में शोधार्थी द्वारा अपने शोध विषय पर शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं उसका प्रस्तुतीकरण किया जायेगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05
प्रैक्टिकम (मूल) (क्रेडिट - 02)

1. एक लघु प्रतिवेदन (पायलट स्टडी एवं साहित्य पुनरावलोकन पर)
2. दो शोध पत्रों का लेखन एवं प्रस्तुतीकरण

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 06
अंतरअनुशासनिक (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

13-08-2020

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
टीचिंग एसोशिएटशिप (क्रेडिट -10)

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
शोध पत्र/क्षेत्रकार्य प्रतिवेदन आदि (क्रेडिट -10)

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
शोध प्रबंध लेखन (क्रेडिट - 60)

- शोध प्रबंध लेखन
  - ❖ शोध विषय आधारित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन का लेखन।
  - ❖ संबंधित शोध कार्य में शोध गुणवत्ता हेतु विभिन्न पद्धति, उपकरणों का प्रयोग एवं उल्लेख आवश्यक होगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
मौखिकी (क्रेडिट - 20)

13-08-2020

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

एम. ए. समाजशास्त्र

सत्र 2020 से लागू

यूजीसी द्वारा अधिमान्य LOCF (learning Outcomes-based Curriculum Framework) पर आधारित

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001
www.hindivishwa.org

27-10-20

27.10.2020

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार :

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विभाग की कार्य-योजना :

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग की विस्तृत कार्य-योजना :

शीर्षक	कार्य-योजनाएँ
शिक्षण	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना। ✓ सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना। ✓ ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
प्रशिक्षण (यदि कोई है)	• हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना। • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना। • उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना। • अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना। • सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन। • विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन। • छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन। • वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

27-10-20

27.10.2020

शोध	• सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्र। • भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ अंतरविषयी दृष्टिकोण।	
	पी-एच.डी. कार्यक्रम :	X
	शोध-परियोजना :	X
ज्ञान-वितरण के माध्यम	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है)		X

पाठ्यक्रम-विवरण

विभाग/केंद्र का नाम : समाजशास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. समाजशास्त्र

पाठ्यक्रम कोड : एमएएस

अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों का अध्ययन तथा समझ विकसित होगा। • सामाजिक व्यवस्था एवं समाज के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों से परिचय होगा। • सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान की सैद्धांतिकी समझ विकसित होगा।	• विकसित सैद्धांतिक दृष्टि एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा।	• शिक्षण एवं शोध में अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • समाजशास्त्री के रूप में अवसर। • सिविल एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अंतरराष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर।

पाठ्यक्रम संरचना :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 03 अथवा 04 x 01 एवं 02 x 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 03 अथवा 04 x 01 एवं 02 x 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 04 अथवा 04 x 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 03 अथवा 04 x 01 एवं 02 x 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

27-10-20

27.10.2020

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

यह पाठ्यक्रम ऐसे सक्षम और योग्य समाज के निर्माण को समर्पित है जो समाजशास्त्र में ज्ञान की दृष्टि और अनुप्रयोग के श्रेष्ठ मानक स्थापित करें और सामाजिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखें तथा अंतरानुशासनिक दृष्टि से युक्त हों। अतएव, इस पाठ्यक्रम के निम्न मुख्य उद्देश्य इस प्रकार बनाए गए हैं:

- समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास।
- सृजनात्मक व नैतिक दृष्टि का विकास, जिसमें संप्रत्यय, शोध की मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों विधियों से ज्ञान का विस्तार हो सके, जिससे अकादमी और समाज के बीच अंतरसंबंध स्थापित हो सके।
- व्यक्ति और समाज के स्तर पर समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे परिवर्तन को समावेशी दृष्टि से आगे बढ़ाना।
- विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य का विकास करना।
- ज्ञान प्राप्ति की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों और अनुप्रयोगों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों की समाजशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार करना।

अवधि : दो वर्ष (चार सेमेस्टर) 90 क्रेडिट

योग्यता : किसी भी अनुशासन अथवा विषय में न्यूनतम 50% (SC/ST/**OBC(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंको के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन के विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।

प्रवेश-प्रक्रिया: विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यसंरचना

प्रथम सेमेस्टर				द्वितीय सेमेस्टर			
कोर्स कोड	विषय/प्रश्न-पत्र	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट
एमएएस-01	समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	मूल	4	एमएएस-05	समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4
एमएएस-02	समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	एमएएस-06	भारतीय समाज	मूल	4
एमएएस-03	समाजशास्त्र की अवधारणाएँ	मूल	4	एमएएस-07	शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय	मूल	4
एमएएस-04	सामाजिक मानवविज्ञान	मूल	4	एमएएस-08	समाज मनोविज्ञान	मूल	4
एमएएसई-01	ग्रामीण समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	एमएएसई-03	नगरीय समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4
एमएएसई-02	धार्मिक संगठन	ऐच्छिक	2	एमएएसई-04	भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक	ऐच्छिक	2
कुल क्रेडिट			22	कुल क्रेडिट			22

तृतीय सेमेस्टर				चतुर्थ सेमेस्टर			
कोर्स कोड	विषय	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट
एमएएस-09	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	एमएएस-13	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4
एमएएस-10	भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	मूल	4	एमएएस-14	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	मूल	4
एमएएस-11	समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ	मूल	4	एमएएस-15	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत	मूल	4
एमएएस-12	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	मूल	4	एमएएस-16	लघु शोध प्रबंध	मूल	4
एमएएसई-05	औद्योगिक समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	एमएएसई-07	सामाजिक जनसांख्यिकी	ऐच्छिक	4
एमएएसई-06	पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना	ऐच्छिक	4	एमएएसई-08	आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन	ऐच्छिक	2
कुल क्रेडिट			24	कुल क्रेडिट			22

नोट: ऐच्छिक पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में से विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार पाठ्यचर्या का चयन कर सकेंगे।

❖ विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOC, अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से 18 क्रेडिट तक ऐच्छिक पाठ्यचर्या के चयन करने की सुविधा होगी।

27-10-20

27.10.2020

एम.ए. समाजशास्त्र (चार सेमेस्टर, कुल – 90 क्रेडिट)

पाठ्यचर्या संरचना : मूल पाठ्यचर्या - 64 क्रेडिट
: ऐच्छिक पाठ्यचर्या - 26 क्रेडिट

पाठ्यचर्या का स्वरूप	प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर	कुल क्रेडिट
मूल/अनिवार्य	16 क्रेडिट	16 क्रेडिट	16 क्रेडिट	16 क्रेडिट	**64 क्रेडिट**
ऐच्छिक	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	08 क्रेडिट	06 क्रेडिट	**26 क्रेडिट**
कुल क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**24 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी

- एम.ए. समाजशास्त्र पाठ्यक्रम कुल 90 क्रेडिट का होगा एवं इसकी अवधि चार सेमेस्टर (दो वर्ष) की होगी।
- कुल 90 क्रेडिट के विषयपत्रों में से 64 क्रेडिट के विषयपत्र (Courses) समाजशास्त्र विभाग द्वारा पढ़ाए जाएँगे तथा शेष 26 क्रेडिट (अनिवार्य तथा ऐच्छिक) विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा पढ़ाए जाएँगे जिन्हें छात्र अपनी रूचि के अनुसार चुन सकेंगे।
- 4 एवं 2 क्रेडिट का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा जिसमें 75 अंक लिखित परीक्षा के लिये होंगे और 25 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जो कक्षा में भागीदारी, सेमीनार, समूह कार्य, समीक्षा आदि पर निर्भर होगा।
- लघु शोध प्रबंध कुल 100 अंक का होगा। आंतरिक मूल्यांकन 25 अंक का एवं सत्रांत मूल्यांकन 75 अंक का होगा।
- एम.ए. में कराये जाने वाले लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन वाह्य निरीक्षक के द्वारा कराया जायेगा।
- प्रत्येक छमाही में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार विवेचना

प्रथम सेमेस्टेर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-01	समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	मूल	4	39	14	07	60
एमएएस-02	समाजशास्त्रीय विचारक (1)	मूल	4	38	16	06	60
एमएएस-03	समाजशास्त्र की अवधारणाएँ	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-04	सामाजिक मानवविज्ञान	मूल	4	40	16	04	60
एमएएसई-01	ग्रामीण समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	40	16	04	60
एमएएसई-02	धार्मिक संगठन	ऐच्छिक	2	21	05	04	30

ज्ञान शक्ति मैत्री

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 01	समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	4	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 01. समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

इकाई 1: यूरोप में समाजशास्त्र के उद्भव की पृष्ठभूमि एवं सामाजिक परिस्थितियाँ : प्रबोधन युग, वाणिज्यिक क्रांति, वैज्ञानिक क्रांति, पुनर्जागरण, फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति और एक विषय के रूप में समाजशास्त्र

इकाई 2: यूरोप में समाजशास्त्र के संस्थापक : ऑगस्ट कॉम्ट, हर्बर्ट स्पेन्सर, जॉर्ज जिमेल, विल्फ्रेडो परेटो एवं थोर्स्टीन वेब्लेन

इकाई 3: भारत मे समाजशास्त्र के उद्भव की पृष्ठभूमि : भारतीय समाजशास्त्र एवं सामाजिक विचारों का ऐतिहासिक आधार व विरासत, धार्मिक-राजनैतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि, औपनिवेशिक आगमन का काल, भारतशास्त्र एवं समाजशास्त्र

इकाई 4: भारत मे समाजशास्त्र का उद्भव : स्वातंत्र्योत्तर भारत में समाजशास्त्र, तत्कालीन प्रमुख शोध प्रवृत्तियाँ, सिद्धांत और विधियाँ

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजशास्त्र के उदय से पूर्व की सामाजिक परिस्थितियों को जानेंगे जो एक विषय के रूप में समाजशास्त्र के उदय का आधार बनीं।
- विद्यार्थी यूरोप में समाजशास्त्र विषय के संस्थापक पहली पीढ़ी के समाजशास्त्रियों के जीवन, विचार और योगदान को जानेंगे।
- विद्यार्थी भारत में समाजशास्त्र एक विषय के रूप में स्थापित होने से पूर्व की सामाजिक चिंतन और विचार परंपरा के साथ अन्य आधारों को भी जानेंगे।
- विद्यार्थी स्वातंत्र्योत्तर भारत में समाजशास्त्र की प्रवृत्तियों को जानेंगे।
- यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के इतिहास से परिचित कराएगी।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. प्रबोधन युग 2. वाणिज्यिक क्रांति 3. वैज्ञानिक क्रांति 4. पुनर्जागरण 5. फ्रांसीसी क्रांति 6. औद्योगिक क्रांति और एक विषय के रूप में समाजशास्त्र	11	03	02	16	26.66 %
मॉड्यूल 2	1. ऑगस्ट कॉम्ट 2. हर्बर्ट स्पेन्सर 3. जॉर्ज सिमेल 4. विल्फ्रेडो परेटो 5. थोर्स्टीन वेब्लेन	14	05	02	21	35.00 %
मॉड्यूल 3	1. भारतीय समाजशास्त्र एवं सामाजिक विचारों का ऐतिहासिक आधार व विरासत 2. धार्मिक-राजनैतिक और बौद्धारिक पृष्ठभूमि 3. औपनिवेशिक आगमन का काल 4. भारतशास्त्र एवं समाजशास्त्र	08	04	02	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	1. स्वातंत्र्योत्तर भारत में समाजशास्त्र 2. तत्कालीन प्रमुख शोध प्रवृत्तियाँ, सिद्धांत और विधियाँ	06	02	01	09	15.00 %
योग		39	14	07	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

27-10-20

27.10.2020

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुवेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

	आंतरिक मूल्यांकन (25%)				सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago : The University of Chicago Press.
- Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur : Rawat Pbc.
- Morrison, K. (1995). *Marx, Durkheim, Weber : Formation of modern social thought.* London: Sage Pbc.
- Coser, L. A. (1979). *Masters of sociological thought.* New York : Harcourt Brace Jovanovich.
- Morrison, K. (1995). *Marx, Durkheim, Weber : Formation of modern social thought.* London :Sage Pbc.
- Ritzer, G. (1996). *Sociological theory.* New Delhi : Tata-McGraw Hill.
- Singh, Y. (1986). *Indian sociology : Social conditioning and emerging trends.* New Delhi : Vistaar.
- Zeitlin, I. (1998). *Rethinking sociology : A critique of contemporary theory.* Jaipur : Rawat.
- गुप्ता, पार्थसारथी. (1987). *यूरोप का इतिहास.* हरियाणा ग्रंथ अकादमी: चंडीगढ़.
- चौहान, आई.एस. (1989). *समाजशास्त्र की रूपरेखा.* हिंदी ग्रंथ अकादमी: भोपाल.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 02	समाजशास्त्रीय विचारक (I)	4	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	38
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 02. समाजशास्त्रीय विचारक (I)

इकाई 1: अगस्त कौम्ट : जीवन परिचय एवं कृतित्व, तीन स्तरों का नियम, प्रत्यक्षवाद, सामाजिक पुनर्निर्माण का सिद्धांत एवं विज्ञानों का संस्तरण

इकाई 2: हर्बर्ट स्पेंसर : जीवन परिचय एवं कृतित्व, समाज एक सावयव के रूप में, सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत

इकाई 3: इमाइल दुर्खीम : जीवन परिचय एवं कृतित्व, सामाजिक तथ्य, समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम, सामाजिक एकात्मकता का सिद्धांत, सामूहिक प्रतिनिधान की संकल्पना, आत्महत्या एवं श्रम विभाजन का सिद्धांत तथा तुलनात्मक अध्ययन पद्धति

इकाई 4: मैक्स बेबर : जीवन परिचय एवं कृतित्व, सामाजिक क्रिया का सिद्धांत, आदर्श प्रारूप, धर्म तथा पूंजीवाद का सिद्धांत, शक्ति एवं सत्ता तथा तार्किक दृष्टिकोण

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी आगस्त काम्ट के जीवन, विचार और योगदान से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी हर्बर्ट स्पेंसर के जीवन, कृतित्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी इमाइल दुर्खीम के जीवन, कृतित्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी मैक्स वेबर के जीवन, कृतित्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	अगस्त कॉम्ट : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. तीन स्तरों का नियम 3. प्रत्यक्षवाद 4. सामाजिक पुनर्निर्माण का सिद्धांत 5. विज्ञानों का संस्तरण	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	हर्बर्ट स्पेंसर : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. समाज एक सावयव के रूप में 3. सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत	06	02	01	09	15.00 %
मॉड्यूल 3	इमाइल दुर्खीम : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. सामाजिक तथ्य 3. समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम 4. सामाजिक एकात्मकता का सिद्धांत 5. सामूहिक प्रतिनिधान की संकल्पना 6. आत्महत्या 7. श्रम विभाजन का सिद्धांत 8. तुलनात्मक अध्ययन पद्धति	13	05	02	20	33.33 %
मॉड्यूल 4	मैक्स वेबर : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. सामाजिक क्रिया का सिद्धांत 3. आदर्श प्ररूप 4. धर्म तथा पूंजीवाद का सिद्धांत 5. शक्ति एवं सत्ता 6. तार्किक दृष्टिकोण	11	05	02	18	30.00 %
योग		38	16	06	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्रीय विचारक (I) पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan.
- Aron, Raymond. (1965&1967). *Main currents in sociological thought. Vol.I&II:* Penguin.
- Randall, Collins. (1997). *Sociological theory.* Jaipur : Rawat Publications.
- Coser, Lewis. (1996). *Masters of Sociological thought.* Delhi : Rawat Publications.

- Giddens, Anthony. (1997). *Capitalism and Modern Social Theory: An analyses of writings of Marx, Durkheim and Weber.* Cambridge : University Press.
- Ritzer, George. (1992). *Sociological theory*. New York : McGraw Hill.
- Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.
- Giddens, A. (1970). *Capitalism and Modern Social Theory : An analysis of Writings of Marx, Durkheim and Weber.* England : Cambridge University Press.
- Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan. .
- Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.
- Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.
- जैन, सी. पी. एवं दोषी, एल. एस. (2017). *मैक्स वेबर, कार्ल मार्क्स एवं इमाइल दुर्खीम: समाजशास्त्रीय अध्ययन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- अहूजा, राम. एवं अहूजा, मुकेश. (2008). *समाजशास्त्र: विवेचना एवं परिप्रेक्ष्य*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 03	समाजशास्त्र की अवधारणाएँ	4	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 03. समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

इकाई 1: समाजशास्त्र का परिचय : परिभाषा, क्षेत्र, विषय-वस्तु, महत्त्व, अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, परिप्रेक्ष्य, पद्धतियाँ एवं शाखाएँ

इकाई 2: मूल अवधारणाएँ : समाज एवं उसके प्रकार, समुदाय एवं उसके प्रकार, समिति एवं संस्था, सामाजिक समूह, सामाजिक संरचना, प्रस्थिति एवं भूमिका, आदर्श मूल्य एवं सामाजिक प्रतिमान

इकाई 3: सामाजिक प्रक्रियाएँ : सहयोगी एवं असहयोगी सामाजिक प्रक्रियाएँ, सामाजीकरण तथा सामाजिक परिवर्तन एवं गतिशीलता

इकाई 4: संस्कृति एवं सभ्यता: अवधारणा, परिभाषा एवं प्रकार, संस्कृति के तत्व, संकुल एवं प्रतिमान, संस्कृति एवं सभ्यता में अंतर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजशास्त्र के अर्थ, क्षेत्र, विषयवस्तु, परिप्रेक्ष्यों व अन्य सामाजिक विज्ञानों से समाजशास्त्र के संबंध को जानेंगे।
- विद्यार्थी समाजशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक प्रक्रियाओं और उसके स्वरूपों को जानेंगे।
- विद्यार्थी संस्कृति और सभ्यता के उपागमों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	समाजशास्त्र का परिचय : 1. परिभाषा, क्षेत्र, विषय-वस्तु एवं महत्व 2. अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध 3. परिप्रेक्ष्य, पद्धतियाँ एवं शाखाएँ	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	मूल अवधारणाएँ : 1. समाज एवं उसके प्रकार 2. समुदाय एवं उसके प्रकार 3. समिति एवं संस्था 4. सामाजिक समूह 5. सामाजिक संरचना 6. प्रस्थिति एवं भूमिका 7. आदर्श मूल्य एवं सामाजिक प्रतिमान	13	07	01	21	35.00 %
मॉड्यूल 3	सामाजिक प्रक्रियाएँ : 1. सहयोगी एवं असहयोगी सामाजिक प्रक्रियाएँ 2. सामाजीकरण 3. सामाजिक परिवर्तन एवं गतिशीलता	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	संस्कृति एवं सभ्यता : 1. अवधारणा, परिभाषा एवं प्रकार 2. संस्कृति के तत्व, संकुल एवं प्रतिमान 3. संस्कृति एवं सभ्यता में अंतर	09	03	01	13	21.66 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्र की अवधारणाएँ पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dube, L. (1997). *Women and Kinship : Comparative Perspectives on Gender in South and South East Asia.* New Delhi : Sage Publications.
- Fox, R. (1967). *Kinship and Marriage : An Anthropological Perspective.* Harmondsworth : Penguine Pbc.
- Keesing, R. M. (1975). *Kin Groups and Social Structure.* New York : Holt Rinehart and Winston.

- Radcliff Brown, A. R., & Daryll F. (Ed.). (1950). *African Systems of Kinship and Marriage.* London : Oxford University Press.
- Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.
- Uberoi, Patricia. 1993. Family, Kinship and Marriage in India. New Delhi, Oxford University Press.
- Uberoi, P. (1993). *Family, Kinship and Marriage in India.* New Delhi : Oxford University Press.
- विद्याभूषण, एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2006). *उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोश.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

- Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.
- Uberoi, Patricia. 1993. Family, Kinship and Marriage in India. New Delhi, Oxford University Press.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 04	सामाजिक मानवविज्ञान	4	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 04. सामाजिक मानवविज्ञान

इकाई 1: सामाजिक मानवशास्त्र : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषय-वस्तु

इकाई 2: संस्कृति एवं परिवार : परिभाषा अर्थ एवं प्रकार, परिवार के उत्पत्ति एवं संस्कृति के सिद्धांत

इकाई 3: आदिम समाज : धर्म, जादू, विज्ञान एवं टोटम, वंश गोत्र एवं भ्रातदल, युवागृह

इकाई 4: आदिम समाज में विवाह : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं सिद्धांत, जनजातीय समस्याएँ एवं सरकारी योजनाएँ

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक मानवविज्ञान का आधार परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी संस्कृति और परिवार के अर्थ एवं सिद्धांतों को जानेंगे।
- विद्यार्थी आदिम समाज संगठन एवं प्रक्रियाओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी आदिम समाज में विवाह, जनजातीय समस्याएँ एवं योजनाओं से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक मानवशास्त्र : 1. परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषय-वस्तु	07	03	01	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	संस्कृति एवं परिवार : 1. परिभाषा अर्थ एवं प्रकार 2. परिवार के उत्पत्ति एवं संस्कृति के सिद्धांत	12	05	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 3	आदिम समाज: 1. धर्म, जादू, विज्ञान एवं टोटम 2. वंश गोत्र एवं भ्रातदल 3. युवागृह	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 4	आदिम समाज में विवाह : 1. अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार 2. सिद्धांत 3. जनजातीय समस्याएँ एवं सरकारी योजनाएँ	09	04	01	14	23.33 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

27.10.2020

27.10.2020

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- दोषी, एल. एस. (2009). *समकालीन मानवशास्त्र*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India*. New Delhi : Vikas Pbc.
- Hasnain, N. (1983). *Tribes in India*. New Delhi : Harnam Publications.
- Sharma, S. (1994). Tribal Identity and Modern World. New Delhi : Sage Pbc.
- Singh, K. S. (1985). *Tribal Society*. Delhi : Manohar Pbc.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 01	ग्रामीण समाजशास्त्र	4	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएसई - 01. ग्रामीण समाजशास्त्र

इकाई 1: गांव, कृषि और कृषक : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कृषि और गांव का महत्व एवं विशेषताएँ, कृषक वर्ग एवं संबंधित अवधारणाएँ

इकाई 2: ग्रामीण समाजशास्त्र : अवधारणाएँ, सिद्धांत एवं पद्धतिशास्त्रीय मुद्दे (लघु समुदाय, लोक-संस्कृति, लघु एवं बृहद परंपराएँ, कृषि अर्थव्यवस्था, पूंजीवाद और वर्ग, कृषक बनाम किसान, विकृषिकरण, लोक-नगरीय सातत्य)

इकाई 3: ग्रामीण सामाजिक संरचना : स्तरीकरण, जाति एवं जजमानी व्यवस्था, ग्रामीण शक्ति संरचना, 73वें व 74वें संविधान संशोधन से परिवर्तित संरचना

इकाई 4: ग्रामीण शासन, विकास एवं समस्याएँ : ग्रामीण शासन, पंचायती राज और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण, भूमि सुधार, हरित क्रांति, किसान आत्महत्या, कृषक आंदोलन, ग्रामीण निर्धनता एवं बेरोजगारी, खाद्य एवं फसल सुरक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, सामुदायिक विकास कार्यक्रम

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी गाँव, कृषि और कृषक का आधार परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी ग्रामीण समाजशास्त्र के अवधारणाओं, सिद्धांतों और पद्धतिशास्त्रीय मुद्दों को जानेंगे।
- विद्यार्थी ग्रामीण सामाजिक संरचना और संवैधानिक सुधारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी ग्रामीण शासन, विकास और समस्याओं से परिचित होंगे।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	गांव, कृषि और कृषक : 1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2. कृषि और गांव का महत्व एवं विशेषताएं 3. कृषक वर्ग एवं संबंधित अवधारणाएँ	06	03	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 2	ग्रामीण समाजशास्त्र : 1. अवधारणाएँ, सिद्धांत एवं पद्धतिशास्त्रीय मुद्दे (लघु समुदाय, लोक-संस्कृति, लघु एवं वृहद परंपराएँ, कृषि अर्थव्यवस्था, पूंजीवाद और वर्ग, कृषक बनाम किसान, विकृषिकरण, लोक-नगरीय सातत्य)	13	05	01	19	31.66 %
मॉड्यूल 3	ग्रामीण सामाजिक संरचना: 1. स्तरीकरण 2. जाति एवं जजमानी व्यवस्था 3. ग्रामीण शक्ति संरचना 4. 73वें व 74वें संविधान संशोधन से परिवर्तित संरचना	07	03	01	11	18.33 %
मॉड्यूल 4	ग्रामीण शासन, विकास एवं समस्याएँ : 1. ग्रामीण शासन, पंचायती राज और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण 2. भूमि सुधार 3. हरित क्रांति 4. किसान आत्महत्या 5. कृषक आंदोलन 6. ग्रामीण निर्धनता एवं बेरोजगारी 7. खाद्य एवं फसल सुरक्षा 8. ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन 9. सामुदायिक विकास कार्यक्रम	14	05	01	20	33.33 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
ग्रामीण समाजशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा विकोसित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Desai, A. R. (1959). *Rural Sociology India.* Bombay : Popular Prakashan.
- Desai, A.R. (1979). *Rural India in Transition.* Bombay : Popular Prakashan.
- Dsouza, A. (1978). *The Indian City : Poverty , Ecology and Urban development.* New Delhi : Manohar Pbc.
- Berch, B. (Ed.). (1992). Class, State and Development in India. New Delhi : Sage.
- Desai, A. R. (1977). *Rural Sociology in India.* Bombay : Popular Prakashan.

27/10/20

27.10.2020

- Radhakrishnan, P. (1989). *Peasant Struggles : Land reforms and Social Change in Malabar 1836-1982.* New Delhi : Sage Publications.
- Thorner, D., & Thorner A. (1962). Land and Labour in India. Bombay : Asia Publications.
- Betille, A. (1974). *Six Essays in Comparitive Sociology.* New Delhi : OUP.
- Dhanagare, D. N. (1988). *Peasant Movements in India.* New Delhi : OUP.
- Ashish, N. (1999). *Ambiguous Journey to the City.* New Delhi : OUP.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 02	धार्मिक संगठन	2	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	21
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	30

एमएएसई - 02. धार्मिक संगठन

इकाई 1: हिंदू : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

इकाई 2: मुस्लिम : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

इकाई 3: बौद्ध और जैन : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

इकाई 4: सिक्ख, ईसाई और पारसी : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी हिंदू सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।
- विद्यार्थी मुस्लिम सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।
- विद्यार्थी बौद्ध एवं जैन सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।
- विद्यार्थी सिक्ख, ईसाई और पारसी सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।

27.10.2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. हिंदू : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 2	1. मुस्लिम : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. बौद्ध और जैन : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	06	01	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. सिक्ख, ईसाई और पारसी : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	07	02	01	10	33.33 %
योग		21	05	04	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
धार्मिक संगठन पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Fuller, C. J. (2004). *The Camphor Flame: Popular Hinduism and Society in India.* New Jersey: Princeton University Press.
- Manohar, (2001). *Hinduism: The Five Components and their Interaction.* New Delhi: Orient Black Swan.
- Momin. A.R. (2004). The Indo-Islamic Tradition' in Robinson, R. (ed.) *Sociology of Religion in India*. New Delhi: Sage.
- Omvedt, G. (2003). *Buddhism in India: Challenging Brahmanism and Caste.* New Delhi : Sage.
- Robinson, R. (2003). 'Christianity in the Context of Indian Society and Culture' in Das Veena (ed.), Oxford *Indian Companion to Sociology and Social Anthropology*, OUP: New Delhi.
- Srinivas, M.N. (1952). *Religion and Society among the Coorgs of South India.* Clarendon: Oxford.
- Uberoi, J.P.S. (1991). The Five Symbols of Sikhism in Madan, T.N. (ed.) *Religion in India.* New Delhi : OUP.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27/10/20

27.10.2020

द्वितीय सेमेस्टेर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-05	समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-06	भारतीय समाज	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-07	शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय	मूल	4	39	12	09	60
एमएएस-08	समाज मनोविज्ञान	मूल	4	40	16	04	60
एमएएसई-03	नगरीय समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	42	14	04	60
एमएएसई-04	भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक	ऐच्छिक	2	18	08	04	30

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 05	समाजशास्त्रीय विचारक (II)	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 05. समाजशास्त्रीय विचारक (II)

इकाई 1: कार्ल मार्क्स : जीवन परिचय एवं कृतित्व, ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन की शक्तियाँ एवं संबंध प्रणाली अतिरिक्त मूल्य, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष का सिद्धांत, वाद-संवाद प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन

इकाई 2: विल्फ्रेडो परेटो : जीवन परिचय एवं कृतित्व, तार्किक एवं अतार्किक क्रिया, विशिष्ट चालक एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत

इकाई 3: पारसंस : जीवन परिचय एवं कृतित्व, सामाजिक प्रणाली की अवधारणा एवं सामाजिक क्रिया, सामाजिक व्यवस्था एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत

इकाई 4: राबर्ट के. मर्टन: जीवन परिचय एवं कृतित्व, मध्य स्तरीय, संदर्भ समूह एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी कार्ल मार्क्स के जीवन, विचार और योगदान से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी विलफ्रेडो परेटो के जीवन, कृतित्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी पारसंस के जीवन, कृतित्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राबर्ट के. मर्टन के जीवन, कृतित्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।

27.10.2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	कार्ल मार्क्स : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. ऐतिहासिक भौतिकवाद 3. उत्पादन की शक्तियाँ एवं संबंध प्रणाली 4. अतिरिक्त मूल्य, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष का सिद्धांत 5. वाद-संवाद प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 2	विल्फ्रेडो पेरेटो : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. तार्किक एवं अतार्किक क्रिया 3. विशिष्ट चालक एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	पारसंस : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. सामाजिक प्रणाली की अवधारणा एवं सामाजिक क्रिया 3. सामाजिक व्यवस्था एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	राबर्ट के. मर्टन : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्व 2. मध्य स्तरीय, संदर्भ समूह एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत	09	04	01	14	23.33 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्रीय विचारक (II) पाठ्यचर्या द्वारा निर्दिष्ट अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dahrendorf, R. (1959). *Class and Class Conflict in an Industrial Society*. USA : Stanford University Press.
- Parsons, T. (1937). *The structure of social Action (vol.I&II)*. New York : McGraw Hill.
- Zeitlin, I. (1981). *Ideology and the Development Sociological Theory*. USA : Prentice Hall.

27-10-20

27.10.2020

- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 06	भारतीय समाज	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 06. भारतीय समाज

इकाई 1: सामाजिक संरचना : विविधता और एकता, ग्रामीण और शहरी तथा प्राचीन-पारंपरिक एवं आधुनिक

इकाई 2: परिवार, विवाह एवं नातेदारी : परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत एवं बदलते प्रतिमान

इकाई 3: जाति : अर्थ एवं परिभाषा, सामान्य, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक समूह और बदलते प्रतिमान

इकाई 4: वर्ग : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, सिद्धांत एवं भारत में वर्ग की संकल्पना

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी विविध भारतीय सामाजिक संरचनाओं से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी परिवार, विवाह और नातेदारी से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी जाति संरचना से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी वर्ग संरचना से परिचित होंगे।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक संरचना : 1. विविधता और एकता 2. ग्रामीण और शहरी 3. प्राचीन-पारंपरिक एवं आधुनिक	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	1. परिवार : परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत एवं बदलते प्रतिमान 2. विवाह : विशिष्ट चालक एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत 3. नातेदारी : परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत एवं बदलते प्रतिमान	14	04	01	19	31.66 %
मॉड्यूल 3	जाति : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. सामान्य, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक समूह 3. बदलते प्रतिमान	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	वर्ग : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. सिद्धांत एवं भारत में वर्ग की संकल्पना	09	04	01	14	23.33 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाज पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, N. K. (1967). *Culture and Society in India.* Bombay : Asia Publishing House.
- Karve, I. (1961). *Hindu Society : An Interpretation.* Puna : Deccan College.
- Lannoy, R. (1971). *The Speaking Tree : A Study of Indian Society and Culture.* Delhi : Oxford University Press.
- Mandelbaum, D. G. (1970). *Society in India.* Bombay : Popular Prakashan.
- Srinivas, M. N. (1980). *India : Social Structure.* New Delhi : Hindustan Publishing Corporation.

27.10.20

27.10.2020

- Uberoi, P. (1993). *Family, Kinship and Marriage in India.* New Delhi : Oxford University Press.
- Dube, S. C. (1990). *Society in India.* New Delhi : National Book Trust.
- Dube, S. C. (1995). *Indian Village.* London : Routledge.
- Dube, S. C. (1958). *India's Changing Villages.* London : Routledge & Kegan Paul.
- Srinivas, M. N. (1963). *Social Change in Modern India.* Berkeley : University of California Press.
- Singh, Y. (1973). *Modernization of Indian Tradition.* Delhi : Thomson Press).
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- अहूजा, राम. (2001). *भारतीय समाज.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- जैन, शोभिता. (1996). *भारत में परिवार, विवाह और नातेदारी.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 07	शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	09
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 07. शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय

इकाई 1: शोध : अर्थ, महत्त्व एवं उद्देश्य, चरण, वस्तुनिष्ठता, साहित्य पुनरावलोकन, नैतिकता, समस्या, अवलोकन, शोध अभिकल्प

इकाई 2: शोध समस्या, प्राक्कल्पना एवं उपागम : शोध समस्या की परिभाषा, शोध उद्देश्य, प्रश्न एवं उपकल्पना में अंतर, प्राक्कल्पना प्रकार एवं परीक्षण तथा शोध के विभिन्न उपागम व परिप्रेक्ष्य

इकाई 3: शोध पद्धतियाँ : सर्वेक्षण विधि, वैयक्तिक अध्ययन, साक्षात्कार, ऐतिहासिक/अर्काइवल विश्लेषण, पीआरए, एफ़जीडी, अंतर्वस्तु विश्लेषण, समाजमिति, आख्यान एवं नृजाति अध्ययन पद्धति

इकाई 4: आकड़ों का संग्रहण : आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत, आँकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण, निदर्शन एवं इसके प्रकार

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी शोध और उसके चरण से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी शोध समस्या और प्राक्कलपना से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी आकड़ों के प्रकार, स्रोत एवं संग्रहण उपकरणों से परिचित होंगे।

27.10.2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	शोध : 1. अर्थ, महत्व एवं उद्देश्य 2. चरण 3. वस्तुनिष्ठता 4. साहित्य पुनरावलोकन 5. नैतिकता 6. समस्या 7. अवलोकन 8. शोध अभिकल्प	07	02	02	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	शोध समस्या, प्राक्कल्पना एवं उपागम : 1. शोध समस्या की परिभाषा 2. शोध उद्देश्य, प्रश्न एवं उपाकल्पना में अंतर 3. प्राक्कल्पना के प्रकार एवं परीक्षण 4. शोध के विभिन्न उपागम व परिप्रेक्ष्य	09	03	02	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	शोध पद्धतियाँ : 1. सर्वेक्षण विधि 2. वैयक्तिक अध्ययन 3. साक्षात्कार 4. ऐतिहासिक/अर्काइवल विश्लेषण 5. पीआरए 6. एथ्नोग्राफी 7. अंतर्वस्तु विश्लेषण 8. समाजमिति 9 आख्यान एवं वृत्तांत अध्ययन पद्धति	14	04	03	21	35.00 %
मॉड्यूल 4	आकड़ों का संग्रहण : 1. आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत 2. आँकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण 3. निदर्शन एवं इसके प्रकार	09	03	02	14	23.33 %
योग		39	12	09	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Sage Pbc.
- Srinivas, M. N., & Shah, A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल, डी. के. (2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ, रवींद्र. (2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 08	समाज मनोविज्ञान	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 08. समाज मनोविज्ञान

इकाई 1. परिचय : अवधारणा एवं सैद्धांतिक उपागम, अंतर समूह द्वंद्व एवं स्वास्थ्य

इकाई 2. सामाजिक संज्ञान : स्कीमा, रुढ़ियुक्तियां एवं संज्ञात्मक युक्तियाँ, आत्म प्रत्यक्षण एवं व्यक्तिक प्रत्यक्षण

इकाई 3. मनोवृत्ति : परिभाषा एवं विशेषताएँ, निर्धारक तत्त्व एवं मानव मूल्य, परिवर्तन एवं सिद्धांत

इकाई 4. समूह एवं नेतृत्त्व : परिभाषा, प्रकृति एवं कार्य, प्रकार एवं सिद्धांत

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजमनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक संज्ञान के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।।
- विद्यार्थी मनोवृत्ति और उसके विभिन्न पक्षों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी समूह और नेतृत्त्व से परिचित होंगे।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	परिचय : 1. अवधारणा एवं सैद्धांतिक उपागम 2. अंतर समूह द्वंद्व एवं स्वास्थ्य	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 2	सामाजिक संज्ञान : 1. स्कीमा 2. रुढ़ियुक्तियां एवं संज्ञात्मक युक्तियां 3. आत्म प्रत्यक्षण एवं व्यक्तिक प्रत्यक्षण	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	मनोवृति : 1. परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. निर्धारक तत्व एवं मानव मूल्य 3. परिवर्तन एवं सिद्धांत	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	समूह एवं नेतृत्व : 1. परिभाषा, प्रकृति एवं कार्य 2. प्रकार एवं सिद्धांत	12	04	01	17	28.33 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाज मनोविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Baron, R. A. & Misra, G. (2014). *Psychology: Indian Subcontinent Edition*. Pearson Education
- Misra, G. (1990) .*Applied Social Psychology*. New Delhi: Sage.
- Misra, G. (2009). *Psychology in India, Volume 4: Theoretical and Methodological Developments (ICSSR survey of advances in research)*. New Delhi: Pearson.
- त्रिपाठी, एल. बी. एवं सहयोगी (1993). *आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान*. आगरा: हर प्रसाद भार्गव.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 03	नगरीय समाजशास्त्र	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएसई - 03. नगरीय समाजशास्त्र

इकाई 1: नगरीय समाजशास्त्र का परिचय : नगरीय पारिस्थितिकी, नगरीकरण, नगरवाद, भारतीय नगर, भारत में नगरीय समाजशास्त्र

इकाई 2: नगरीय समाजशास्त्र के सिद्धांत : नगर के शास्त्रीय सिद्धांत, शिकागो स्कूल एवं इसके आलोचक, नवीन नगरीय समाजशास्त्र

इकाई 3: नगरीय सामाजिक संरचना एवं प्रशासन : परिवार, नगरीय असमानताएँ, जाति एवं जातीय अलगाव, नगरीय प्रशासन

इकाई 4: नगरीय विकास एवं समस्याएँ : नगरीय जनसांख्यिकी, नगरीय निर्धनता, मलिन बस्ती, प्रवासन, नगरीय प्रदूषण, नगरीय नियोजन एवं संस्थाएँ

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी नगरीय पारिस्थितिकी के साथ भारत में नगर से परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी नगर के सिद्धांतों और पद्धतिशास्त्रीय स्कूलों को जानेंगे।
- विद्यार्थी नगरीय सामाजिक संरचना और संवैधानिक सुधारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी नगरीय विकास और समस्याओं से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	नगरीय समाजशास्त्र का परिचय : 1. नगरीय पारिस्थितिकी 2. नगरीकरण 3. नगरवाद 4. भारतीय नगर 5. भारत में नगरीय समाजशास्त्र	10	03	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 2	नगरीय समाजशास्त्र के सिद्धांत : 1. नगर के शास्त्रीय सिद्धांत 2. शिकागो स्कूल एवं इसके आलोचक 3. नवीन नगरीय समाजशास्त्र	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	नगरीय सामाजिक संरचना एवं प्रशासन : 1. परिवार 2. नगरीय असमानताएँ 3. जाति एवं जातीय अलगाव 4. नगरीय प्रशासन	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	नगरीय विकास एवं समस्याएँ : 1. नगरीय जनसांख्यिकी 2. नगरीय निर्धनता 3. मलिन बस्ती 4. प्रवासन 5. नगरीय प्रदूषण 6. नगरीय नियोजन एवं संस्थाएँ	13	04	01	18	30.00 %
योग		42	14	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
नगरीय समाजशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Abrahimson, M. (1976). *Urban Sociology.* Englewoot : Prentice Hall.
- Castells, M. (1977). *The Urban Question.* London : Edward Arnold.
- Desai, A. R., & Pillai, S. D. (Ed.). (1970). *Slums and Urbanisation.* Bombay : Popular Prakashan.
- DSouza, A. (1979). *The Indian City : Poverty, ecology and urban development.* Delhi : Manohar Pbc.

- Edward, W. S. (2000). *Post Metropolis : Critical Studies of cites and regions.* Oxford : Blakcwell.
- Ellin, N. (1996). *Post Modern Urbanisim.* Oxford : Oxford University Press.
- Gold, H. (1982). *Sociology of Urban Life.* Englewood Cliff : Prentice Hall.
- Pickwance, C. G. (Ed.). (1976). *Urban Sociology.* Methuen : Critical Essays.
- Quinn, J. A. (1955). *Urban Sociology.* New Delhi : S Chand & Co.
- Ramachandran, R. (1991). *Urbanisation and Urban Systems in India.* Delhi : OUP.
- Ronnan, P. (2001). *Handbook of Urban Studies.* India : Sage.
- Sylvia, F. F. (1968). *New Urbanism in World Perspectives-a Reader.* New York : T.Y.Cowell.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27/10/20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 04	भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक	2	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	30

एमएएसई - 04. भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक

इकाई 1 : बालगंगाधर तिलक एवं राजा राम मोहन राय

इकाई 2 : स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गाँधी

इकाई 3 : वीर सावरकर एवं भीमराव अंबेडकर

इकाई 4 : दयानन्द सरस्वती एवं राम मनोहर लोहिया

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी बालगंगाधर तिलक और राजा राम मोहन राय के विचारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गाँधी के विचारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी वीर सावरकर एवं भीमराव अंबेडकर के विचारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी दयानन्द सरस्वती एवं राम मनोहर लोहिया के विचारों को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. बालगंगाधर तिलक 2. राजा राम मोहन राय	04	02	01	07	23.33 %
मॉड्यूल 2	1. स्वामी विवेकानंद 2. महात्मा गाँधी	05	02	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 3	1. वीर सावरकर 2. भीमराव अंबेडकर	05	02	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. दयानन्द सरस्वती 2. राम मनोहर लोहिया	04	02	01	07	23.33 %
योग		18	08	04	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

27-10-20

27.10.2020

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Kumar, (2010) 'Understanding Lohia's Political Sociology: Intersectionality of Caste, Class, Gender and Language Issue', in Economic and Political Weekly, Vol. XLV (40).
- Parel, (ed.), (2002) 'Introduction', in Gandhi, freedom and Self Rule, Delhi: Vistaar Publication.
- Sen, (2003) 'Swami Vivekananda on History and Society', in Swami Vivekananda, Delhi: Oxford University Press.
- Ambedkar, (1991) 'Constituent Assembly Debates', S. Hay (ed.), Sources of IndianTradition, Vol. 2, Second Edition, New Delhi: Penguin.
- Mungekar, (2007) 'Quest for Democratic Socialism', in S. Thorat, and Aryana (eds.), Ambedkar in Retrospect - Essays on Economics, Politics and Society, Jaipur: IIDS and Rawat Publications.
- Dalton, (1982) 'Continuity of Innovation', in Indian Idea of Freedom: Political Thought of Swami Vivekananda, Aurobindo Ghose, Rabindranath Tagore and Mahatma Gandhi, Academic Press: Gurgaon.

- Dalton, (1982) Indian Idea of Freedom: Political Thought of Swami Vivekananda, Aurobindo Ghose, Mahatma Gandhi and Rabindranath Tagore, Gurgaon: The Academic Press.
- Dh. Keer, (1966) Veer Savarkar, Bombay: Popular Prakashan.
- H. Rustav, (1998) 'Swami Vivekananda and the Ideal Society', in W. Radice (ed.), SwamiVivekananda and the Modernisation of Hinduism, Delhi: Oxford University Press.
- J. Sharma, (2003) Hindutva: Exploring the Idea of Hindu Nationalism, Delhi: Penguin.
- M. Anees and V. Dixit (eds.), (1984) Lohia: Many Faceted Personality, Rammanohar Lohia Smarak Smriti.
- M. Gandhi, (1991) 'Satyagraha: Transforming Unjust Relationships through the Power of the Soul', in S. Hay (ed.), Sources of Indian Tradition, Vol. 2.Second Edition, New Delhi: Penguin.
- R. Roy, (1991) 'The Precepts of Jesus, the Guide to Peace and Happiness', S. Hay, (ed.) Sources of Indian Traditio, Vol. 2. Second Edition. New Delhi: Penguin.
- Rodrigues, (2007) 'Good society, Rights, Democracy Socialism', in S. Thorat and Aryama (eds.), Ambedkar in Retrospect - Essays on Economics, Politics and Society, Jaipur: IIDS and Rawat Publications.
- S. Sarkar, (1985) 'Rammohan Roy and the break With the Past', in A Critique on colonialIndia, Calcutta: Papyrus.
- S. Sinha, (2010) 'Lohia's Socialism: An underdog's perspective', in Economic and PoliticalWeekly, Vol. XLV (40).
- S. Vivekananda, (2007) 'The Real and the Apparent Man', S. Bodhasarananda (ed.), Selections from the Complete Works of Swami Vivekananda, Kolkata: Advaita Ashrama.
- T. Pantham, (1986) 'The Socio-Religious Thought of Rammohan Roy', in Th. Panthom and K. Deutsch, (eds.) Political Thought in Modern India, New Delhi: Sage.

27.10.20

27.10.2020

- V.Savarkar, 'Hindutva is Different from Hinduism', available at http://www.savarkar.org/en/hindutva-/essentials-hindutva/hindutva-different-hinduism, Accessed: 19.04.2013

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

तृतीय सेमेस्टर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-09	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-10	भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-11	समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ	मूल	4	36	14	10	60
एमएएस-12	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	मूल	4	43	13	04	60
एमएएसई-05	औद्योगिक समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	40	16	04	60
एमएएसई-06	पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना	ऐच्छिक	4	40	16	04	60

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 09	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 09. आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

इकाई 1: प्रघटना विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, एडमंड हर्सेल, अल्फ्रेड शुट्ज़, पीटर बर्जर एवं थॉमस लकमैन

इकाई 2: लोकविधि विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, हेराल्ड गर्फ़िंकल एवं इर्विंग गौफमैन

इकाई 3: नवमार्क्सवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, निकलास लुहमान एवं जेफ्रे सी. अलेक्ज़ेंडर

इकाई 4: नवप्रकार्यवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, जुरगेन हेबरमास एवं लुईस अल्थुजर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी प्रघटना विज्ञान के सिद्धांतों को जानेंगे।।
- विद्यार्थी लोकविधिविज्ञान के सिद्धांतो को जानेंगे।
- विद्यार्थी नवमार्क्सवाद के सिद्धांतो को जानेंगे।
- विद्यार्थी नवप्रकार्यवाद के सिद्धांतो को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	प्रघटना विज्ञान : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. एडमंड हर्सेल 3. अल्फ्रेड शुट्ज़ 4. पीटर बर्जर एवं थॉमस लकमैन	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 2	लोकविधि विज्ञान : 1. अर्थ, परिभाष एन विशेषताएँ 2. हेराल्ड गर्फिंकल 3. इर्विंग गौफमैन	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	रूपमार्क्सवाद : 1. अर्थ, परिभाष एव विशेषताएँ 2. निकलास लुहमान एवं जेफ्रे सी. अलेक्जेंडर	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	रूपप्रकार्यवाद : 1. अर्थ, परिभाष एवं विशेषताएँ 2. जुर्गेन हेबरमास एवं लुईस अल्थुसर	10	04	01	15	25.00 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I) पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Alexander, Jeffrey C. Ed. (1985). *Neofunctionalism.* London: Sage Publication.
- Derrida, J. 1978. Writing and Difference, Chicago: University of Chicago.
- Focault, M. 1971. The Archaeology of Knowledge, New York: Pantheon Books.
- Garfinkel, H. (1984). *Studies in Ethnomethodology.* Cambridge : Polity Press.
- Garfinkel, H. 1984. Studies in Ethnomethodology, Cambridge: Polity Press.

- Luckmann, T. (ed.). 1978. Phenomenology and Sociology, Middlesex: Penguin Books.
- Ritzer. G. (2005). (5th edition). *Modern Sociological Theory*. New York : McGraw – Hill Publication.
- Ritzer.G. 2005 (5th edition). Modern Sociological Theory, New York: McGraw –Hill Publication
- Seidman, S. & Alexander, J.C. (2001). *The New Social Theory Reader*. London : Routledge.
- Seidman,S.& Alexander, J.C. 2001. The New Social Theory Reader, London: Routledge.
- Turner, J. H. (1995). *The structure of sociological theory*. New Delhi : Rawat.
- दोषी, एल. एस. (2010). *उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांतकार*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). *आधुनिकता,उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत*. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). *समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत*. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20

(संकायाध्यक्ष)

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 10	भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 10. भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 1: भारतशास्त्र/ग्रंथ और सभ्यतात्मक परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, जी.एस. घुर्ये, लुई ड्यूमा, एन.के. बोस, सुरजीत सिन्हा, इरावती कर्वे

इकाई 2: संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे

इकाई 3: द्वन्द्वात्मक परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी, ए. आर. देसाई, राधाकमल मुखर्जी

इकाई 4: अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, बी.आर. अंबेडकर, रणजीत गुहा, डेविड हार्डीमेन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सभ्यतागत परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी द्वंद्वात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	भारतशास्त्र/ग्राम और सभ्यतात्मक परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. जी.एस. घुर्ये 3. लुई ड्यूमा 4. एन.के. बोस 5. सुरजीत सिन्हा 6. इरावती कर्वे	13	04	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 2	संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. एम.एन. श्रीनिवास 3. एस.सी. दुबे	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 3	द्वन्द्वात्मक परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी 3. ए.आर. देसाई 4. राधाकमल मुखर्जी	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. बी.आर. अंबेडकर 3. रणजीत गुहा 4. डेविड हार्डीमेन	09	04	01	14	23.33 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dhanagare. D.N.: Themes and perspectives in Indian sociology. Rawat Publication. Jaipur, 1993.
- Dube, S. C. (1967). *The Indian Village*. London : Routledge.
- Dube, S. C. (1973). *Social Sciences in a Changing Society*. Lucknow : Lucknow University Press.

- Dumont, L. (1970). *Homo Hierarchicus : The Caste System and its Implications.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Dumont. Louis Homo Hyerrchicus : The Caste System and its implications. Vikas publications, New Delhi, 1970
- Momin. A. R. : The legacy of G.S. Ghurye. A cemennial festschrift. Popular prakashan. Bombay. 1996.
- Mukherjee, D. P. (1958). *Diversities People's.* Delhi : Publishing House.
- दोषी, एल. एस. (2017). *आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत.* जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- नगला, के. बी. (2015). *भारतीय समाजशास्त्रीय चिंतन.* जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). *समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20

(संकायाध्यक्ष)

27.10.20

27.10.200

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 11	समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 11. समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ

इकाई 1: शोध सांख्यिकी का परिचय : अर्थ एवं महत्त्व, प्रकार, मापन स्तर, सारणी एवं ग्राफ़िक प्रस्तुतिकरण, केंद्रीय प्रवृत्ति माप एवं प्रसार, सांख्यिकीय परीक्षण

इकाई 2: आकड़ों का संग्रहण, विश्लेषण एवं निर्वचन : आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत, आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण, निदर्शन, गणनात्मक विश्लेषण (सह-संबंध, काई-स्कवेयर, एनोवा, टी-परीक्षण), गुणात्मक विश्लेषण (संदर्भात्मक/ विषयात्मक एवं आख्यात्मक), विश्लेषक सॉफ्टवेयरों के अनुप्रयोग

इकाई 3. शोध निष्कर्ष का प्रस्तुतीकरण एवं संदर्भ सूची : शोध सारांश, शोध पत्र एवं शोध आलेख, शोध प्रस्ताव, पुस्तक समीक्षा एवं शोध परियोजना प्रतिवेदन

इकाई 4. बिब्लियोग्राफ़ी : एम.एल.ए., ए.पी.ए. एवं शिकागो

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी शोध के सांख्यिकीय तकनीकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी शोध में आकड़ों के संग्रहण, विश्लेषण और निर्वचन को जानेंगे।
- विद्यार्थी शोध निष्कर्ष लेखन को जानेंगे।
- विद्यार्थी संदर्भ और ग्रंथ-सूची निरूपण से भी परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	शोध सांख्यिकी का परिचय : 1. अर्थ एवं महत्व 2. प्रकार 3. मापन स्तर 4. सारणी एवं ग्राफिक प्रस्तुतिकरण 5. केंद्रीय प्रवृत्ति माप एवं प्रसार 6. सांख्यिकीय परीक्षण	12	04	03	19	31.66 %
मॉड्यूल 2	आकड़ों का संग्रहण, विश्लेषण एवं विवेचन : 1. आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत 2. आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण 3. निदर्शन 4. गणनात्मक विश्लेषण (सह-संबंध, काई-स्क्वेयर, एनोवा, टी-परीक्षण) 5. गुणात्मक विश्लेषण (संदर्भात्मक/ विषयात्मक एवं आख्यात्मक) 6. विश्लेषक सॉफ्टवेयरों के अनुप्रयोग	14	04	03	21	35.00 %
मॉड्यूल 3	शोध निष्कर्ष का प्रस्तुतीकरण एवं संदर्भ सूची : 1. शोध सारांश 2. शोध पत्र एवं शोध आलेख 3. शोध प्रस्ताव 4. पुस्तक समीक्षा 5. शोध परियोजना प्रतिवेदन	06	03	02	11	18.33 %
मॉड्यूल 4	बिब्लियोग्राफी : 1. एम.एल.ए. 2. ए.पी.ए. 3. शिकागो	04	03	02	09	15.00 %
योग		36	14	10	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.

- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.
- लाल, जे. एन. (2012). *मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी.* गोरखपुर: नीलकमल प्रकाशन.

27.10.20
(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20
(संकायाध्यक्ष)

29-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 12	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	43
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	13
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 12. सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

इकाई 1: सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रक्रिया : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप, सामाजिक उदविकास, प्रगति, सामाजिक क्रांति, विकास, नगरीकरण, औद्योगीकरण, आधुनिकीकरण एवं संस्कृतिकरण

इकाई 2: सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांत : जैविक, जनसंख्यात्मक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक, रेखीय, चक्रीय एवं प्रौद्योगिकी सिद्धांत

इकाई 3: सामाजिक नियंत्रण : परिभाषा एवं उद्देश्य, सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन एवं अनौपचारिक साधन

इकाई 4: सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : ई.ए. रास, दुर्खीम, पारसंस एवं डब्ल्यू. जी. समनर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन की विभिन्न प्रक्रियाओं से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक नियंत्रण और उसके साधनों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रक्रिया: 1. परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप 2. सामाजिक उद्विकास 3. प्रगति 4. सामाजिक क्रांति 5. विकास 6. नगरीकरण 7. औद्योगीकरण 8. आधुनिकीकरण 9. संस्कृतिकरण	13	04	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 2	सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांत : 1. जैविक 2. जनसंख्यात्मक 3. सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक 4. रेखीय, चक्रीय एवं प्रौद्योगिकी सिद्धांत	11	03	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	सामाजिक नियंत्रण : 1. परिभाषा एवं उद्देश्य 2. सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन 3. सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन	07	02	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 4	सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : 1. ई.ए. रास 2. दुर्खीम 3. पारसंस 4. डब्ल्यू. जी. समनर	12	04	01	17	28.33 %
योग		43	13	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- अहूजा, राम. (2016). *सामाजिक समस्याएँ*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- व्यास, दिनेश. (2014). *सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन एवं निरंतरता:भारत समुदाय का अध्ययन* . जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक मुद्दे*. *जयपुर:* रावत प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 05	औद्योगिक समाजशास्त्र	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएसई - 05. औद्योगिक समाजशास्त्र

इकाई 1 : औद्योगिक समाजशास्त्र : परिभाषा, अवधारणा, उद्भव एवं विकास, विषय क्षेत्र और प्रकृति

इकाई 2 : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम एवं मैक्स वेबर

इकाई 3 : औद्योगीकरण, औद्योगिक विवाद, श्रमिक संघवाद एवं सामूहिक सौदेबाजी

इकाई 4 : सामाजिक सुरक्षा, विवेकीकरण एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी औद्योगिक समाजशास्त्र के विकास, क्षेत्र व प्रकृति का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी उद्योग आधारित सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों को जानेंगे।
- विद्यार्थी औद्योगीकरण, विवाद और श्रमिक संबंधित अवधारणाओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय श्रम से परिचित होंगे।

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	औद्योगिक समाजशास्त्र : 1. परिभाषा, अवधारणा, उद्भव एवं विकास 2. विषय क्षेत्र और प्रकृति	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : 1. कार्ल मार्क्स 2. इमाइल दुर्खीम 3. मैक्स वेबर	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	1. औद्योगीकरण 2. औद्योगिक विवाद 3. श्रमिक संघवाद एवं सामूहिक सौदेबाजी	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	1. सामाजिक सुरक्षा 2. विऔद्योगीकरण 3. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन	10	04	01	15	25.00 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
औद्योगिक समाजशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Laxmanna, C. (1990). *Workers, Participation and Industrial democracy.* New Delhi : Ajantha
- Pascal, G. (1972). *Fundamentals of Industrial Sociology.* Bombay : Tata McGraw Hill.
- Punekar, S. D. (1978). *Labour welfare, Trade union and Industrial relations.* Bombay : Himalaya Publishing House.
- Ramaswamy, E. R. (1977). *The worker and his union.* New Delhi : Allied Pbc.
- Ramaswamy, E. R. (1978). *Industrial relations in india.* New Delhi : MacMillan.
- Schneider, E.V. (1957). *Industrial sociology.* New York : McGraw Hill.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.2020 (संकायाध्यक्ष)

27.10.20

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 06	पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएसई - 06. पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना

इकाई 1: परंपरागत आधार : धर्म, अर्थ, पुनर्जन्म की अवधारणा

इकाई 2: वर्ण व्यवस्था : अर्थ, उत्पत्ति के सिद्धांत, वर्ण धर्म, समान धर्म, आपदधर्म, वर्ण प्रकार्यों की अन्योन्यश्रितता एवं वर्ण असमानताएँ

इकाई 3: आश्रम व्यवस्था : विविध आश्रम, विशेषताएँ एवं महत्व

इकाई 4: पुरुषार्थ : अर्थ एवं महत्व

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी वैदिक सामाजिक जीवन के आधार का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी वर्ण व्यवस्था को जानेंगे।
- विद्यार्थी आश्रम व्यवस्था को जानेंगे।
- विद्यार्थी पुरुषार्थ को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	परंपरागत आधार : 1. धर्म 2. अर्थ 3. पुनर्जन्म की अवधारणा	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	वर्ण व्यवस्था : 1. अर्थ 2. उत्पत्ति के सिद्धांत 3. वर्ण धर्म 4. समान धर्म 5. आपद्धर्म 6. वर्ण प्रकारों की अन्योन्यश्रितता 7. वर्ण असमानताएँ	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	आश्रम व्यवस्था : 1. विविध आश्रम 2. विशेषताएँ एवं महत्व	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	पुरुषार्थ : 1. अर्थ एवं महत्व	10	04	01	15	25.00 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27.10.2020

27-10-20

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना पाठ्यचर्या द्वारा निर्योजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Hasnain, N. (1983). *Tribes in India.* New Delhi : Harnam Publications.
- Madan, T.N. (1997). *Modern Myths and Locked Minds.* Delhi: Oxford University Press.
- Mason, Philip. (1967). Unity and Diversity: An Introductory Review in Philip Mason(ed.) *India and Ceylon: Unity and Diversity.* London: Oxford University Press.

- Sharma, S. (1994). Tribal Identity and Modern World. New Delhi : Sage Pbc.
- Srinivas, M.N. (1969). The Caste System in India, in A. Beteille (ed.) *Social Inequality: Selected Readings.* Harmondsworth: Penguin Books.
- अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- विद्याभूषण, एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.2020

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

चतुर्थ सेमेस्टर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-13	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-14	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-15	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-16	लघु शोध प्रबंध	मूल	4	00	44	16	60
एमएएसई-07	सामाजिक जनसांख्यिकी	ऐच्छिक	4	43	13	04	60
एमएएसई-08	आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन	ऐच्छिक	2	18	08	04	30

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 13	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस 13. आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

इकाई 1: विवेचनात्मक सिद्धांत : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, मैक्स होर्खाईमर, थिओडोर एडोर्नो एवं हर्बर्ट मार्कुज

इकाई 2: संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद/नवसंरचनावाद : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, लेवी स्ट्रास एवं लुई अल्थूजर

इकाई 3: आधुनिकता : अर्थ, परिभाषा, लक्षण भारत एवं पाश्चात्य आधुनिक सिद्धांतवेत्ता

इकाई 4: उत्तर-आधुनिकता : अर्थ, परिभाषा, लक्षण, जॉक देरिदा, मिशेल फूको, फ्रेड्रिक जेमेंसन एवं ल्योतार्ड, ज्यां बोड्रिलार्ड एवं जॉर्ज रिट्जर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी विवेचनात्मक सिद्धांत के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी संरचनाकरण एवं नव-संरचनावाद के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी आधुनिकता के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी उत्तर-आधुनिकता के बारे में जानेंगे।

27.10.2020

27.10.20

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	विवेचनात्मक सिद्धांत : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. मैक्स होर्खाईमर 3. थिओडोर एडोर्नो 4. हर्बर्ट मार्कुज	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 2	संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद/ नवसंरचनावाद : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. लेवी स्ट्रास 3. लुई अल्थूजर	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	आधुनिकता : 1. अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण 2. भारत एवं पाश्चात्य आधुनिक सिद्धांतवेत्ता	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	उत्तर-आधुनिकता : 1. अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण 2. जॉक देरिदा 3. मिशेल फूको 4. फ्रेड्रिक जेमेसन 5. ल्योतार्ड 6. ज्यां बोद्रिलार्ड 7. जॉर्ज रिट्जर	13	04	01	18	30.00 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II) पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Alexander, Jeffrey C. Ed. (1985). *Neofunctionalism*. London: Sage Publication.
- Derrida, J. (1978). Writing and Difference, Chicago: University of Chicago.
- Focault, M. (1971). The Archaeology of Knowledge, New York: Pantheon Books.
- Garfinkel, H. (1984). *Studies in Ethnomethodology*. Cambridge : Polity Press.

27-10-20

27.10.2020

- Luckmann, T. (ed.). (1978). Phenomenology and Sociology, Middlesex: Penguin Books.
- Ritzer. G. (2005). (5th edition). *Modern Sociological Theory*. New York : McGraw – Hill Publication.
- Ritzer.G. 2005 (5th edition). Modern Sociological Theory, New York: McGraw –Hill Publication
- Seidman, S. & Alexander, J.C. (2001). *The New Social Theory Reader*. London : Routledge.
- Turner, J. H. (1995). *The structure of sociological theory*. New Delhi : Rawat.
- दोषी, एल. एस. (2010). *उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांतकार*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). *आधुनिकता,उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत*. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). *समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत*. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 14	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 14. भारतीय सामाजिक समस्याएँ

इकाई 1: सामाजिक रूपांतरण एवं समस्या : परिभाषा एवं अवधारणा, उपागम एवं अध्ययन पद्धतियाँ

इकाई 2: सामाजिक संरचना संक्रमण : परिवार का टूटना, प्रवासन एवं विस्थापन, नगरीकरण एवं सामाजिक जनांकिकी तथा श्रम

इकाई 3: वंचना एवं अलगाव : निरक्षरता एवं निर्धनता, अपराध एवं अपचार, मादक द्रव्य व्यसन, आतंकवाद, नक्सलवाद एवं हिंसा

इकाई 4: पहचान एवं सामाजिक न्याय : बाल समूह, युवा वर्ग, वृद्ध जन, महिलाएँ, अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ, अल्पसंख्यक वर्ग, नृजातीयता, क्षेत्रवाद

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक समस्या के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक रूपांतरण एवं संरचना संक्रमण के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी वंचना एवं अलगाव के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी पहचान एवं सामाजिक न्याय के बारे में जानेंगे।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक रूपांतरण एवं समस्या : 1. परिभाषा एवं अवधारणा 2. उपागम एवं अध्ययन पद्धतियाँ	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	सामाजिक संरचना संक्रमण : 1. परिवार का टूटना 2. प्रवासन एवं विस्थापन 3. नगरीकरण 4. सामाजिक जनांकिकी तथा श्रम	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	वंचना एवं अलगाव : 1. निरक्षरता एवं निर्धनता 2. अपराध एवं अपचार 3. मादक द्रव्य व्यसन 4. आतंकवाद 5. नक्सलवाद एवं हिंसा	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	पहचान एवं सामाजिक न्याय : 1. बाल समूह 2. युवा वर्ग 3. वृद्ध जन 4. महिलाएँ 5. अनुसूचित जातियाँ 6. अनुसूचित जनजातियाँ 7. अल्पसंख्यक वर्ग 8. नृजातीयता 9. क्षेत्रवाद	14	04	01	18	30.00 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय सामाजिक समस्याएँ पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Giddens, A. (1996). *Global Problems and Ecological Crisis in Introduction to Sociology.* New York : W.W. Norton & Co.
- Sharma, S. L. (2000). *Empowerment Without Antagonism : A Case for Reformulation of Women's Empowerment Approach.* Sociological Bulletin, 49(1).
- Inden, R. (1990). *Imaging India.* Oxford : Brasil Blackward.

27-10-20

27.10.2020

- Veer, V. P. (1994). *Religious Nationalism : Hindus and Muslims in India*. Berkeley : University of California Press.
- Guha, R. C. (1991). *Subaltern Studies*. New York: OUP.
- धवन, हरिमोहन. (2011). *महिला आरक्षण एवं भारतीय समाज*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. के. (2006). *भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक मुद्दे*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 15	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 15. समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत

इकाई 1: समाजशास्त्रीय सिद्धांत : अर्थ परिभाषा, तत्त्व, उपयोगिता, प्रकार एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव

इकाई 2: संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास

इकाई 3: संघर्ष एवं विनिमय सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, राल्फ डेहरेंडाल्फ एवं लेविस कोजर, जार्ज होमन्स एवं पीटर ब्ला

इकाई 4: प्रतीकात्मक अंत: क्रियावादी सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, जार्ज हर्बर्ट मीड, हर्बर्ट ब्लूमर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांत क्या होते हैं को जानेंगे।
- विद्यार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक सिद्धांत को जानेंगे।
- विद्यार्थी संघर्ष एवं विनिमय सिद्धांत के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी प्रतीकात्मक अंत:क्रियावादी सिद्धांत के बारे में जानेंगे।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	समाजशास्त्रीय सिद्धांत : 1. अर्थ परिभाषा, तत्व, उपयोगिता एवं प्रकार 2. आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 2	संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : 1. परिभाषा एवं अर्थ 2. उद्भव एवं विकास	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	संघर्ष एवं विनिमय सिद्धांत : 1. परिभाषा एवं अर्थ 2. उद्भव एवं विकास 3. राल्फ डैहरेंडाल्फ एवं लेविस कोजर 4. जार्ज होमन्स एवं पीटर ब्लाउ	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	प्रतीकात्मक अंत: क्रियावादी सिद्धांत : 1. परिभाषा एवं अर्थ 2. उद्भव एवं विकास 3. जार्ज हर्बर्ट मीड 4. हर्बर्ट ब्लूमर	10	04	01	15	25.00 %
योग		40	16	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुवेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Radcliffe-Brown, A.R. (1952). *Structure & Function in Primitive Societies* London : The English Language Book Society Ltd.
- Strauss, Levi. (1953). *Social Structure.* Chicago : University Press.
- त्रिवेदी, एस. एम. एवं दोषी, एल. एस. (1996). उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2007). *आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2003). *समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

27.10.2020

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.2020

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 16	लघु शोध प्रबंध	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	00
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	44
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	16
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएस - 16. लघु शोध प्रबंध

लघु शोध प्रबंध प्रारूप

सारांश - 150 शब्द का हो, जिसमें समस्या, विधि और परिणाम समाहित हों।

प्रस्तावना - सैद्धांतिक पक्ष, समीक्षा, प्रस्तुत अध्ययन, उद्देश्य और परिकल्पना

विधि - अभिकल्प, प्रतिदर्श, मापनी, प्रक्रिया

परिणाम - समूह प्रदत्त का मात्रात्मक विश्लेषण (मूल प्रदत्त परिशिष्ट में नहीं होना चाहिए)
संभावना हो तो ग्राफ का उपयोग करें।
गुणात्मक विश्लेषण हो तो गुणात्मक विश्लेषण की जिस विधि का उपयोग किया गया हो उसका उल्लेख करें।

व्याख्या -

संदर्भ - APA स्टाइल का प्रयोग और परिशिष्ट

नोट :

- प्रोजेक्ट सॉफ्ट और प्रिंट (4 प्रति) दोनों प्रारूपों में जमा होगा।
- पेज के दोनों ओर लिखें जो 75 पेज से अधिक नहीं होना चाहिए।
- सेमेस्टर के अंत में प्रोजेक्ट जमा करने की तारीख बताई जाएगी।

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी परियोजना कार्य लिखने एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक शोध की विविध प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक घटनाओं की पहचान एवं उनका वस्तुनिष्ठ विवरण प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी सामाजिक ज्ञान में वृद्धि करने एवं पुराने ज्ञान की परख करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	➢ प्रस्तावना	00	10	05	15	25.00 %
मॉड्यूल 2	➢ विधि	00	12	03	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	➢ परिणाम एवं व्याख्या	00	12	03	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	➢ लेखन, संदर्भ एवं पुनरीक्षण	00	10	05	15	25.00 %
योग		00	44	16	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अधिगम	एकीकृत अधिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
लघु शोध प्रबंध पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

27-10-20

27.10.2020

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	वाह्य विशेषज्ञ द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- चुने गए विषय के अनुरूप सहायक साहित्य

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 07	सामाजिक जनसांख्यिकी	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	43
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	13
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

एमएएसई - 07. सामाजिक जनसांख्यिकी

इकाई 1 : सामाजिक जनांकिकी : अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं विषय क्षेत्र

इकाई 2 : जनसंख्या के सिद्धांत : माल्थस का सिद्धांत, इष्टतम जनसंख्या का सिद्धांत एवं संक्रमण का सिद्धांत

इकाई 3 : जनसंख्या एवं गतिशीलता : विश्व जनसंख्या का अवलोकन, भारतीय जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण दर, भारतीय जनसंख्या प्रजननता, मृत्यु दर एवं प्रवास, भारत में जनसंख्या वृद्धि दर के कारण एवं परिणाम

इकाई 4 : जनसंख्या नीति : भारत में जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक जननांकिकी का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न जनसंख्या सिद्धांतों को जानेंगे।
- विद्यार्थी जनसंख्या एवं संबद्ध गतिशीलता के मुद्दों को जानेंगे।
- विद्यार्थी भारत में जनसंख्या नीति को जानने के साथ इसका मूल्यांकन भी करेंगे।

27.10.2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक जनांकिकी: 1. अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं विषय क्षेत्र	08	02	01	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	जनसंख्या के सिद्धांत : 1. माल्थस का सिद्धांत 2. इष्टतम जनसंख्या का सिद्धांत 3. संक्रमण का सिद्धांत	13	04	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 3	जनसंख्या एवं गतिशीलता : 1. विश्व जनसंख्या का अवलोकन 2. भारतीय जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण दर 3. भारतीय जनसंख्या प्रजनता, मृत्यु दर एवं प्रवास 4. भारत में जनसंख्या वृद्धि दर के कारण एवं परिणाम	14	04	01	19	31.66 %
मॉड्यूल 4	जनसंख्या नीति : 1. भारत में जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन	08	03	01	12	20.00 %
योग		43	13	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक जनसांख्यिकी पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, A. (1991). *Demographic Diversity of India.* Delhi : B. R. Publishing Corporation.
- Chandrasekar, S. (Ed.). (1974). *Infant Mortality, Population Growth and Family Planning in India.* London : George Allen & Unwin Ltd.
- Finkle, J. L., & McIntosh, C. A. (Ed.). (1994). *The New Policies of Population.* New York : The Population Council.
- Hatcher, R. (1997). *The Essentials of Contraceptive Technology.* Baltimore : John Hopkins School of Public Health.
- Premi, M. K. (1983). *An Introduction to Social Demography.* Delhi : Vikas Publishing House.

27.10.2020

27.10.2020

- Sharma, R. (1997). *Demography and Population Problems.* New Delhi : Atlantic Publishers.
- Srivastava, O. S. (1994). *Demography and Population Studies.* New Delhi : Vikas Publishing House.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 08	आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन	2	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	30

एमएएसई - 08. आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन

इकाई 1 : जनजातीय आंदोलन

इकाई 2 : पर्यावरण आंदोलन

इकाई 3 : महिला आंदोलन

इकाई 4 : किसान आंदोलन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी जनजातीय आंदोलन के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी पर्यावरण आंदोलन के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी महिला आंदोलन के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी किसान आंदोलन के बारे में जानेंगे।

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. जनजातीय आंदोलन	04	02	01	07	23.33 %
मॉड्यूल 2	1. पर्यावरण आंदोलन	04	02	01	07	23.33 %
मॉड्यूल 3	1. महिला आंदोलन	05	02	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. किसान आंदोलन	05	02	01	08	26.66 %
योग		18	08	04	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Banks, J. A. (1972). *The Sociology of Social Movements*. London: Macmillan.
- Brass, T. (1995). *New Farmers' Movements in India*. London and Portland or Frank Cass.
- Dhanagare, D. N. (1983). *Peasant Movements in Indian 1920-1950*. New Delhi: Oxford University Press.
- Guha, R. (1989). *The Unquiet Woods: Ecological Change and Peasant Resistance in the Himalaya*. Berkeley: University of California Press.
- Menon, N. (Ed.). (1999). *Gender and Politics in India*. Delhi: Oxford University Press.
- Oommen, T. K. (Ed.). (2010). *Social Movement: Vol. I & II*. New Delhi: Oxford University Press.
- Rao, M. S. A. (1979). *Social Movements and Social Transformation*. Delhi: Macmillan.
- Rao, M. S. A. (1979). *Social Movements in India*. New Delhi: Manohar.
- Singh, K. S. (1982). *Tribal Movements in India*. New Delhi: Manohar.

27-10-20

27.10.2020

- Zelliot, E. (1995). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement.* New Delhi: Manohar.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

बी. ए. समाजशास्त्र

सत्र 2020 से लागू

यूजीसी द्वारा अधिमान्य LOCF (learning Outcomes-based Curriculum Framework) पर आधारित

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

27-10-2020

27.10.2020

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

विश्वविद्यालय के उद्देश्य :

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार :

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा]

विभाग की कार्य-योजना :

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग की विस्तृत कार्य-योजना :

शीर्षक	कार्य-योजनाएँ
शिक्षण	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना। ✓ सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना। ✓ ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
प्रशिक्षण (यदि कोई है)	• हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना। • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना। • उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना। • अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना। • सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन। • विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन। • छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन। • वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

27.10.20

27.10.2020

शोध	• सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्र। • भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ अंतरविषयी दृष्टिकोण।
	पी-एच.डी. कार्यक्रम : X
	शोध-परियोजना : X
ज्ञान-वितरण के माध्यम	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है)	X

पाठ्यक्रम-विवरण

विभाग/केंद्र का नाम : समाजशास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. समाजशास्त्र (ऑनर्स)

पाठ्यक्रम कोड : बीएएस

अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs) :

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर अपना सैद्धांतिक दृष्टि का विकास होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों का अध्ययन तथा समझ विकसित होगा। • सामाजिक व्यवस्था एवं समाज के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों से परिचय होगा। • सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान की सैद्धांतिकी समझ विकसित होगा।	• विकसित सैद्धांतिक दृष्टि एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा।	• शिक्षण एवं शोध में अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • समाजशास्त्री के रूप में अवसर। • सिविल एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अंतरराष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर।

पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

27.10.20

27.10.2020

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता (अतिरिक्त अनिवार्य-1) 04 क्रेडिट	पर्यावरण (अनिवार्य-1) 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार (अनिवार्य-2) 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा (अतिरिक्त अनिवार्य-2) 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति (अनिवार्य-3) 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक (अनिवार्य-4) 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 09 क्रेडिट	समूह क 09 क्रेडिट
विकल्प 1	समूह ख 06 क्रेडिट समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट समूह ग 06 क्रेडिट	कोई एक चयनित विषय 09+ 09=18 क्रेडिट	
विकल्प 2	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	कोई एक चयनित विषय 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	22 क्रेडिट	22 क्रेडिट	18 क्रेडिट	20 क्रेडिट	20 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्य पाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेजी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक	1. कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख** एवं **समूह-ग** से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-ग में उपरिलिखित विषयों में से** किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख** से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम ऐसे सक्षम और योग्य समाज के निर्माण को समर्पित है जो समाजशास्त्र में ज्ञान की दृष्टि तथा अनुप्रयोग के श्रेष्ठ मानक स्थापित करें। सामाजिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखें एवं अंतरानुशासनिक दृष्टि से युक्त हों। अतएव, इस पाठ्यक्रम के निम्न मुख्य उद्देश्य इस प्रकार बनाए गए हैं ---

- समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास।
- सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों का अध्ययन तथा समझ विकसित करना।
- सामाजिक व्यवस्था एवं समाज के संचालन की विधाओं से विद्यार्थी को परिचित कराना।
- सामाजिक समस्याओं को जानना एवं उनका समाधान खोजना।
- विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य का विकास करना।
- ज्ञान प्राप्ति की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों और अनुप्रयोगों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों की समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार करना।

अवधि: तीन वर्ष (06 सेमेस्टर), 120 क्रेडिट + 8 अतिरिक्त क्रेडिट

योग्यता: किसी भी अनुशासन अथवा विषय में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन के विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।

प्रवेश-प्रक्रिया: विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

27.10.20

27.10.2020

बी. ए. समाजशास्त्र (120 क्रेडिट)
सत्र : 2020-23 सेमेस्टरवार विवरण

प्रथम सेमेस्टर			द्वितीय सेमेस्टर		
कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट
बीएएस - 01	समाजशास्त्र का परिचय	4	बीएएस - 03	भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	4
बीएएस - 02	यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	2	बीएएस - 04	भारतीय समाज के परंपरागत आधार	2
ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2	ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2	अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2
अतिरिक्त अनिवार्य - 1	कंप्यूटर दक्षता	4	अनिवार्य - 1	पर्यावरण	4
कुल क्रेडिट		18	कुल क्रेडिट		22

तृतीय सेमेस्टर			चतुर्थ सेमेस्टर		
कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट
बीएएस - 5	भारतीय समाज: मुद्दे एवं समस्याएं	4	बीएएस - 7	सामाजिक नियंत्रण	4
बीएएस - 6	सामाजिक परिवर्तन	2	बीएएस - 8	प्रैक्टिकम (निबंध लेखन)	2
ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2	ऐच्छिक - 1	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2	अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2
अनिवार्य - 2	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार	4	अतिरिक्त अनिवार्य - 2	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा	4
कुल क्रेडिट		22	कुल क्रेडिट		18

पंचम सेमेस्टर			षष्टम सेमेस्टर		
कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट
बीएएस - 9	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I)	3	बीएएस – 12	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (II)	3
बीएएस - 10	सामाजिक संस्थाएं	3	बीएएस – 13	समाज एवं धर्म	3
बीएएस - 11	सामाजिक शोध-प्रविधि	3	बीएएस – 14	सामाजिक आंदोलन	3
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	3 3 3	अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	3 3 3
अनिवार्य - 3	भारतीय संस्कृति	2	अनिवार्य - 4	भारतीय चिंतक	2
कुल क्रेडिट		20	कुल क्रेडिट		20

नोटः स्नातक पाठ्यक्रम हेतु समाजशास्त्र विषय में कुल 42 क्रेडिट का अध्यापन कार्य किया जाएगा। जबकि 78 क्रेडिट विश्वविद्यालय के अन्य अध्ययन विभागों में सहभागिता से अर्जित किया जाएगा।

टिप्पणी

- बी.ए. - समाजशास्त्र पाठ्यक्रम कुल 120 क्रेडिट का होगा एवं इसकी अवधि छः सेमेस्टर (तीन वर्ष) की होगी।
- प्रथम और चतुर्थ सेमेस्टर 18-18 क्रेडिट का, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर 22-22 क्रेडिट का तथा पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर 20-20 क्रेडिट का होगा।
- समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रथम से चतुर्थ समेस्टर तक विद्यार्थी को 04 एवं 02 क्रेडिट के दो विषयपत्रों (06 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर) को पढ़ाया जाएगा। इसी प्रकार पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर में विद्यार्थी को समाजशास्त्र में 03-03 क्रेडिट के तीन विषयपत्रों (09 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर) को पढ़ाया जाएगा।
- इस प्रकार कुल 120 क्रेडिट के विषयपत्रों में से 42 क्रेडिट के विषयपत्र (Courses) समाजशास्त्र विभाग द्वारा पढ़ाए जाएंगे तथा शेष 78 क्रेडिट (ऐच्छिक, अनिवार्य हिंदी एवं अनिवार्य पाठ्यचर्या) विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा पढ़ाए जाएंगे जिन्हें छात्र अपनी रूचि के अनुसार चुन सकेंगे।
- कंप्यूटर दक्षता (04 क्रेडिट) प्रथम सेमेस्टर में एवं भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के अतिरिक्त उपलब्ध करायी गयी भाषाओं में से कोई एक भाषा) (04 क्रेडिट) चतुर्थ सेमेस्टर में अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या होगी। उपाधि प्राप्त करने हेतु 50 प्रतिशत अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके क्रेडिट मुख्य परीक्षा में सम्मिलित नहीं होंगे।
- प्रत्येक छमाही में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार विवेचना

प्रथम सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 01	समाजशास्त्र का परिचय	4	44	10	06	60
बीएएस – 02	यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	2	22	05	03	30
ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2				
अतिरिक्त अनिवार्य - 1	कंप्यूटर दक्षता	4				
कुल क्रेडिट		18				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 01	समाजशास्त्र का परिचय	4	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस - 01 : समाजशास्त्र का परिचय

इकाई 1: समाजशास्त्र की प्रकृति : अर्थ, परिभाषा, अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन की विषय-वस्तु

इकाई 2: समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध : मानवविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र

इकाई 3: मूल अवधारणाएँ : समाज, समुदाय, संस्था, समिति एवं समूह

इकाई 4 : प्रस्थिति एवं भूमिका : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार

अधिगम का परिणाम :

1. समाजशास्त्र की प्रकृति को समझने के साथ ही विद्यार्थी अध्ययन क्षेत्र एवं विषय-वस्तु को समझने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी समाज, समुदाय, संस्था, समिति एवं समूह जैसे सामाजिक संस्थाओं को समझ एवं समाज में इनके कार्यों को जान सकेंगे।
3. समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ पाए जाने वाले संबंधों के तत्वों को समझ एवं भेद कर सकेंगे।
4. सामाजिक प्रस्थिति एवं प्रस्थिति के साथ कार्य करने वाले भूमिकाओं को समझने एवं लिखने में सक्षम होंगे।

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. समाजशास्त्र का अर्थ एवं परिभाषा 2. समाजशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र एवं विषय-वस्तु	07	02	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 2	1. समाजशास्त्र का मानवविज्ञान से संबंध 2. समाजशास्त्र का मनोविज्ञान से संबंध 3. समाजशास्त्र का अर्थशास्त्र से संबंध 4. समाजशास्त्र का राजनीतिशास्त्र से संबंध	09	02	01	12	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. समाज 2. समुदाय 3. संस्था 4. समिति 5. समूह	17	03	02	22	36.66 %
मॉड्यूल 4	1. प्रस्थिति : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार 2. भूमिका : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार	11	03	02	16	26.66 %
योग		44	10	06	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों को पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्र का परिचय पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago: The University of Chicago Press.
- Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur: Rawat Pbc.
- Beattie, J. (1951). *Other Cultures.* New York: The Free Press.
- Bierstedt, R. (1974). *The Social Order.* New York: McGraw Hill.
- Linton, R. (1936). *The Study of Man.* New York: Appleton Century Crofts.
- Horton, P.B. and Hunt, C.L. (1985). *Sociology.* New York: McGraw Hill.
- Radcliffe-Brown, A.R. (1976). *Structure and Function in Primitive Society.* London: Cohen and West.
- Giddens, A., 2006 (5th ed.), *Sociology*, London: Oxford University Press.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 02	यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	2	प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	22
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	03
कुल क्रेडिट घंटे	30

बीएएस - 02 : यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास

इकाई 1: समाजशास्त्र के उदय की पृष्ठभूमि: प्रबोधन युग, वाणिज्यिक क्रांति, वैज्ञानिक क्रांति एवं पुनर्जागरण

इकाई 2: फ्रांसीसी क्रांति: फ्रांसीसी समाज का बुनियादी स्वरूप, राजनीतिक पहलू, आर्थिक पहलू, क्रांति के कारण, फ्रांसीसी क्रांति के घटनाक्रम और परिणाम

इकाई 3: औद्योगिक क्रांति: अर्थ, नए-नए अन्वेषण, औद्योगिक क्रांति के कारण एवं समाज पर औद्योगिक क्रांति के प्रभाव

इकाई 4: समाजशास्त्र के संस्थापक: ऑगस्त कॉम्ट जीवन परिचय, सामाजिक परिवेश, मुख्य विचार एवं समकालीन समाजशास्त्र पर कॉम्ट के विचारों का प्रभाव।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. औद्योगिक क्रांति के कारणों एवं विश्व पर इसके प्रभावों को जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. समाजशास्त्र के जनक के रूप में अगस्त कॉम्ट के योगदान एवं इनके सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. तत्कालीन यूरोप की राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक घटनाओं को जानने एवं समाज पर पड़ने वाले इनके प्रभावों को विद्यार्थी जान सकेंगे।
4. फ्रांस की क्रांति के पश्चात यूरोप के साथ ही पूरे विश्व पर इस क्रांति के पड़ने वाले प्रभावों को विद्यार्थी समझने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. प्रबोधन युग 2. वाणिज्यिक क्रांति 3. वैज्ञानिक क्रांति एवं पुनर्जागरण	04	01	00	05	16.66 %
मॉड्यूल 2	1. फ्रांसीसी समाज का बुनियादी स्वरूप 2. राजनीतिक पहलू एवं आर्थिक पहलू, 3. फ्रांसीसी क्रांति के कारण 4. फ्रांसीसी क्रांति के घटनाक्रम व परिणाम	06	01	00	07	23.33 %
मॉड्यूल 3	1. औद्योगिक क्रांति: अर्थ 2. औद्योगिक क्रांति: नए-नए अन्वेषण 3. औद्योगिक क्रांति के कारण 4. समाज पर औद्योगिक क्रांति के प्रभाव	06	01	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. ऑगस्त कॉम्ट : जीवन परिचय, सामाजिक परिवेश, मुख्य विचार एवं समकालीन समाजशास्त्र पर कॉम्ट के विचारों का प्रभाव	06	02	02	10	33.33 %
योग		22	05	03	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

27-10-20

27.10.2020

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक वा अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts*. India Ltd: Ms millan.
- Horton, P.B. and Hunt, C.L. (1985). *Sociology*. New York: McGraw Hill.
- Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.
- Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

द्वितीय सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 03	भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	4	44	10	06	60
बीएएस – 04	भारतीय समाज के परंपरागत आधार	2	26	04	00	30
ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2				
अनिवार्य - I	पर्यावरण	4				
कुल क्रेडिट		22				

27.10.2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 03	भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	60

बीएएस - 03 : भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास

इकाई 1 : भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की पृष्ठभूमि: अँग्रेजी राज से पूर्व सामाजिक विचारधारा, अँग्रेजी राज का प्रभाव, मध्यम वर्ग का उदय, सुधारवादी आंदोलन, पुनर्जागरण आंदोलन एवं स्वाधीनता आंदोलन

इकाई 2 : भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की वैचारिक पृष्ठभूमि: परंपरा और आधुनिकता के बीच द्विविधा, विनय कुमार सरकार, आनंद कुमारस्वामी एवं भारत में आधुनिक शिक्षा की रूपरेखा

इकाई 3 : भारत में सामाजिक नृशास्त्र का उदय: समाजशास्त्र एवं नृशास्त्र के बीच संबंध, समाजशास्त्र एवं भारतशास्त्र (Indology) के बीच संबंध

इकाई 4 : भारत में समाजशास्त्र के अग्रणी विचारक: राधकमल मुकर्जी, गोविंद सदाशिव घुर्ये एवं धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. भारत के वैचारिकी पर आउपनिवेशिक काल के प्रभावों को जानने एवं लिखने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. भारत में समाजशास्त्र के विकास की अनौपचारिक एवं औपचारिक संस्थाओं एवं साधनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. भारतीय समाज वैज्ञानिकों के सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे और वर्तमान परिदृश्य में इनका मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. भारत में समाजशास्त्र के विकास में विभिन्न भारतीय विद्वानों के योगदानों का मूल्यांकन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. अँग्रेजी राज से पूर्व सामाजिक विचारधारा 2. अँग्रेजी राज का प्रभाव 3. मध्यम वर्ग का उदय 4. सुधारवादी आंदोलन, पुनर्जागरण आंदोलन एवं स्वाधीनता आंदोलन	15	03	02	20	33.33 %
मॉड्यूल 2	1. भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की वैचारिक पृष्ठभूमि: परंपरा और आधुनिकता के बीच द्विविधा 2. विनय कुमार सरकार 3. आनंद कुमारस्वामी एवं भारत में आधुनिक शिक्षा की समीक्षा	13	03	02	18	30.00 %
मॉड्यूल 3	1. समाजशास्त्र एवं नृशास्त्र के बीच संबंध 2. समाजशास्त्र एवं भारतशास्त्र (Indology) के बीच संबंध समाज	07	02	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 4	1. राधाकमल मुकर्जी 2. गोविंद सदाशिव घुर्ये 3. धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी	09	02	01	12	20.00 %
योग		44	10	06	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Mason, Philip. (1967). Unity and Diversity: An Introductory Review in
- Philip Mason(ed.) *India and Ceylon: Unity and Diversity*. London: Oxford University Press.
- Stern, Robert W. (2003). *Changing India*. Cambridge: CUP.
- Srinivas, M.N. (1956). *A Note on Sanskritization and Westernization*, The Far Eastern Quarterly, Volume 15, No. 4, pp. 481-496.
- Thorner, Daniel. (1992). Agrarian Structure, in Dipankar Gupta (ed.), *Social Stratification in India*. New Delhi: Oxford University Press.

- Deshpande, Satish. (2003). *Contemporary India: A Sociological View*. New Delhi: Viking.
- Srinivas, M.N. (1987). *The Dominant Caste and Other Essay*. Delhi: Oxford University Press.
- Shah, A. M. (1998). *The Family in India: Critical Essays*. New Delhi: Orient Longman.
- Karve, Iravati. (1994). The Kinship map of India, in Patricia Uberoi (ed.) *Family, kinship and marriage in India*. Delhi: Oxford University Press.
- Shah, Ghanshyam. (2001). *Dalit identity and politics*. Delhi: Sage Publications.
- Kumar, Radha. (1999). From Chipko to sati: The Contemporary women"s movement, in Nivedita Menon (ed.) *Gender and Politics in India*. Delhi: Oxford University Press.
- Madan, T.N. (1997). *Modern Myths and Locked Minds*. Delhi: Oxford University Press.
- Dumont, L. (1997). *Religion, Politics and History in India*. Paris: Mouton.
- Sociological Theories
- Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield
- and Nicholson.
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories*. New Delhi: Atlantic Publisher.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.
- Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works*. London: Sage.

27.10.2020

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 04	भारतीय समाज के परंपरागत आधार	2	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

बीएएस - 04 : भारतीय समाज के परंपरागत आधार

इकाई 1: धर्म एवं पुरुषार्थ: अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं स्वरूप

इकाई 2: वर्ण व्यवस्था: अर्थ, उत्पत्ति कार्य एवं विशेषताएं

इकाई 3: कर्म एवं पुनर्जन्म: अवधारणा, सिद्धांत, प्रकार एवं महत्त्व

इकाई 4: आश्रम व्यवस्था: अर्थ, विशेषताएं, महत्व एवं प्रकार

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. आश्रम व्यवस्था के विभिन्न प्रकारों एवं इनके महत्व से विद्यार्थी परिचित होंगे।
2. वर्ण व्यवस्था को समझने एवं वर्तमान जाति व्यवस्था के साथ तुलनात्मक अध्ययन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. भारतीय अभिमत कर्म एवं पुनर्जन्म के सिद्धांत के विभिन्न पक्षों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. धर्म एवं पुरुषार्थ के अर्थ को समझने के साथ ही साथ दोनों में अंतरसंबंधों को भी जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. धर्म : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं स्वरूप 2. पुरुषार्थ: अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं स्वरूप	06	01	00	07	23.33 %
मॉड्यूल 2	1. वर्ण व्यवस्था: अर्थ, उत्पत्ति कर्म एवं विशेषताएं	07	01	00	08	26.66 %
मॉड्यूल 3	1. कर्म एवं पुनर्जन्म: अवधारणा, सिद्धांत, प्रकार एवं महत्व	06	01	00	07	23.33 %
मॉड्यूल 4	1. आश्रम व्यवस्था: अर्थ, विशेषताएं, महत्व एवं प्रकार	07	01	00	08	26.66 %
योग		26	04	00	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाज के परंपरागत आधार पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्रति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

27-10-20

27.10.2020

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Mason, Philip. (1967). Unity and Diversity: An Introductory Review in Philip Mason(ed.) *India and Ceylon: Unity and Diversity*. London: Oxford University Press.
- Srinivas, M.N. (1969). The Caste System in India, in A. Beteille (ed.) *Social Inequality: Selected Readings*. Harmondsworth: Penguin Books.
- Madan, T.N. (1997). *Modern Myths and Locked Minds*. Delhi: Oxford University Press.
- विद्याभूषण, एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.
- गुप्ता, एल. एम, एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

तृतीय सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 05	भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याएँ	4	42	14	04	60
बीएएस – 06	सामाजिक परिवर्तन	2	20	06	04	30
ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2				
अनिवार्य - 2	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार	4				
कुल क्रेडिट		22				

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 05	भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याएँ	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस - 05 : भारतीय समाज: मुद्दे एवं समस्याएँ

इकाई 1. संरचनात्मक : निर्धनता/गरीबी, जाति एवं लिंग असमानता, धार्मिक एवं क्षेत्रीय विसमता

इकाई 2. पारिवारिक : दहेज, घरेलू हिंसा, तलाक (विवाह-विच्छेद), अंतः एवं अंतरपीढ़ीय संघर्ष

इकाई 3. विकासात्मक : विकास से उत्पन्न विस्थापन, उपभोक्तावाद एवं मूल्यों का संकट

इकाई 4. विघटनात्मक : अपराध, मादक द्रव्य व्यसन, भ्रष्टाचार, अत्महत्या एवं आतंकवाद

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विविध सामाजिक समस्याओं की पहचान करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. विकासात्मक सामाजिक समस्याओं को जानने एवं समाज में इनके पड़ने वाले प्रभावों को व्यक्त करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. दहेज, घरेलू हिंसा, तलाक, अंतः एवं अंतरपीढ़ीय संघर्ष के सैद्धांतिक अर्थ एवं परिवार की संरचना पर इनके प्रभावों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. समाज एवं युवाओं पर मादक द्रव्य व्यसन के प्रभावों को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. निर्धनता/गरीबी 2. जाति एवं लिंग असमानता, 3. धार्मिक एवं क्षेत्रीय विषमता	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	1. दहेज 2. घरेलू हिंसा 3. तलाक (विवाह-विच्छेद) 4. अंत: एवं अंतर्पीढ़ीय संघर्ष	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	1. विकास से उत्पन्न विस्थापन 2. उपभोक्तावाद एवं मूल्यों का संकट	06	02	01	09	15.00 %
मॉड्यूल 4	1. अपराध 2. मादक द्रव्य व्यसन 3. भ्रष्टाचार 4. आत्महत्या 5. आतंकवाद	15	05	01	21	35.00 %
योग		42	14	04	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाज: मुद्दे एवं समस्याएँ पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

27-10-20

27.10.2020

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Stern, Robert W. (2003). *Changing India*. Cambridge: CUP.
- Srinivas, M.N. (1969). The Caste System in India, in A. Beteille (ed.) *Social Inequality: Selected Readings*. Harmondsworth: Penguin Books.
- Srinivas, M.N. (1956). *A Note on Sanskritization and Westernization*. The Far Eastern Quarterly, Volume 15, No. 4, pp. 481-496.
- Alavi, Hamaza and John Harriss (eds.) 1989. *Sociology of 'Developing Societies': South Asia*. London: Macmillan.
- विद्याभूषण, एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- आहूजा, राम. (2016). *सामाजिक समस्याएं*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक उद्दे*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 06	सामाजिक परिवर्तन	2	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

बीएएस - 06 : सामाजिक परिवर्तन

इकाई 1: सामाजिक परिवर्तन: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, परिवर्तन के प्रतिमान एवं सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन में भेद

इकाई 2 : सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत : चक्रीय, उद्विकासीय एवं रेखीय सिद्धांत

इकाई 3 : सामाजिक परिवर्तन के कारक : प्राकृतिक या भौगोलिक कारक, प्राणिशास्त्रीय (जैवकीय), जनसंख्यात्मक, प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक कारक

इकाई 4 : सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ : उद्विकास, प्रगति एवं विकास, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण एवं लौकिकीकरण

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. सामाजिक परिवर्तन के अर्थ एवं परिभाषाओं को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिद्धांतों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न प्रक्रियाओं को जान सकेंगे।
4. सामाजिक परिवर्तन में कारकों के योगदानों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

27-10-2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. सामाजिक परिवर्तन के अर्थ, परिभाषा और विशेषताएं 2. परिवर्तन के प्रतिमान 3. सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन में भेद	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 2	1. सामाजिक परिवर्तन के चक्रीय सिद्धांत 2. सामाजिक परिवर्तन के उद्विकासीय सिद्धांत 3. सामाजिक परिवर्तन के रेखीय सिद्धांत	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. प्राकृतिक या भौगोलिक कारक 2. प्राणिशास्त्रीय (जैवकीय) 3. जनसंख्यात्मक 4. प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक कारक	06	02	01	09	30.00 %
मॉड्यूल 4	1. उद्विकास 2. प्रगति एवं विकास 3. संस्कृतिकरण 4. पश्चिमीकरण 5. आधुनिकीकरण एवं लौकिकीकरण	06	02	01	09	30.00 %
योग		20	06	04	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक परिवर्तन पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Giddens, A. (1996). *Global Problems and Ecological Crisis in Introduction to Sociology*. New York: W.W. Norton & Co.
- Sharma, S. L. (2000). *Empowerment without Antagonism: A Case for Reformulation of Women's Empowerment Approach.* Sociological Bulletin, 49(1).
- Inden, R. (1990). *Imaging India.* Oxford : Brasil Blackward
- व्यास, दिनेश. (2014). *सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन एवं निरंतरता*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

27/10/20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27/10/20

27.10.2020

चतुर्थ सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 07	सामाजिक नियंत्रण	4	36	15	09	60
बीएएस – 08	प्रैक्टिकम (निबंध लेखन)	2	10	08	12	30
ऐच्छिक	विषय समूह-ख अथवा समूह-ग से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	4 2				
अतिरिक्त अनिवार्य - 2	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा	4				
कुल क्रेडिट		18				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 07	सामाजिक नियंत्रण	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	09
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस – 07 : सामाजिक नियंत्रण

इकाई 1 : सामाजिक नियंत्रण : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्व

इकाई 2 : सामाजिक नियंत्रण के अभिकरण : औपचारिक एवं अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण

इकाई 4 : सामाजिक नियंत्रण के रूप में समाजीकरण : अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं प्रकार

इकाई 3 : सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : ई. ए. रॉस, इमाइल दुर्खीम, टालकॉट पार्सन्स एवं डब्ल्यू.जी. समनर

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. सामाजिक नियंत्रण का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक एवं अनौपचारिक साधनों की भूमिका एवं महत्व को समझने में सक्षम होंगे।
3. समाज में समाजीकरण की भूमिका एवं आवश्यकता को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. सामाजिक नियंत्रण के विभिन्न सिद्धांतकारों के सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे एवं इनका आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. सामाजिक नियंत्रण : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्त्व	06	03	02	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	1. सामाजिक नियंत्रण के अभिकरण : औपचारिक एवं अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण	07	03	02	12	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. सामाजिक नियंत्रण के रूप में समाजीकरण : अर्थ, परिभाषा, महत्त्व एवं प्रकार	08	04	02	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : 1. ई. ए. रॉस 2. इमाइल दुर्खीम 3. टालकॉट पार्सन्स 4. डब्ल्यू. जी. समनर	15	05	03	23	38.33 %
योग		36	15	09	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक नियंत्रण पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- विद्याभूषण, एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27-10-20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 08	प्रैक्टिकम : सामाजिक मुद्दों पर निबंध लेखन	2	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	10
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	12
कुल क्रेडिट घंटे	30

बीएएस - 08 : प्रैक्टिकम : सामाजिक मुद्दों पर निबंध लेखन

- राष्ट्रीय एकता
- भारत में भूमंडलीकरण
- महिला सशक्तिकरण
- भ्रष्टाचार
- सोशल मीडिया
- तकनीकी के लाभ एवं हानि
- पर्यावरण
- जनसंख्या

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न पक्षों को समझने एवं समाज के लिए स्वस्थ पर्यावरण की आवश्यकता को जान सकेंगे।
2. वर्तमान में तकनीकी के सफल प्रयोग एवं इसमें समाज को होने वाले लाभों एवं हानियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. महिला सशक्तिकरण, सोशल मीडिया, राष्ट्रिय एकता जैसे समसामयिक मुद्दों को जानने एवं व्यक्त करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. राष्ट्रीय एकता 2. भारत में भूमंडलीकरण	03	02	03	08	26.66 %
मॉड्यूल 2	1. महिला सशक्तिकरण 2. भ्रष्टाचार	02	02	03	07	23.33 %
मॉड्यूल 3	1. सोशल मीडिया 2. तकनीकी के लाभ एवं हानि	02	02	03	07	23.33 %
मॉड्यूल 4	1. पर्यावरण 2. जनसंख्या	03	02	03	08	26.66 %
योग		10	08	12	30	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
प्रैक्टिकम : सामाजिक मुद्दों पर निबंध लेखन पाठ्यचर्या द्वारा निर्दिष्ट अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

27-10-20

27.10.2020

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, N. K. (1967). *Culture and Society in India.* Bombay: Asia Publishing House.
- Dube, S. C. (1990). *Society in India.* New Delhi: National Book Trust.
- Dube, S. C. (1995). *Indian Village.* London: Routledge.
- Dube, S. C. (1958). *India's Changing Villages.* London: Routledge & Kegan Paul.
- Srinivas, M. N. (1963). *Social Change in Modern India.* Berkeley: University of California Press.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक मुद्दे.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- व्यास, दिनेश. (2014). *सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन एवं निरंतरता.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.

27-10-20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पंचम सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 09	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I)	3	28	10	07	45
बीएएस – 10	सामाजिक संस्थाएं	3	31	10	04	45
बीएएस –11	सामाजिक शोध-प्रविधि	3	31	08	06	45
अनिवार्य (हिंदी)	विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	3 3 3				
अनिवार्य - 3	भारतीय संस्कृति	2				
कुल क्रेडिट		20				

27.10.2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 09	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I)	3	पंचम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	45

बीएएस - 09 : शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I)

इकाई 1: अगस्त कॉम्ट : प्रत्यक्षवाद, तीन स्तरों का नियम सिद्धांत एवं विज्ञानों का संस्तरण

इकाई 2: हर्बर्ट स्पेन्सर : उद्विकास का सिद्धांत एवं सावयववाद

इकाई 3: इमाईल दुर्खीम : आत्महत्या एवं सामाजिक तथ्य का सिद्धांत

इकाई 4: मैक्स वेबर : सामाजिक क्रिया, प्रोटेस्टेंट धर्म एवं पूंजीवाद, नौकरशाही

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. अगस्त कॉम्ट के सिद्धांतों को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. प्राकृतिक उद्विकास किस प्रकार सामाजिक उद्विकास से संबंधित है यह जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. सामाजिक तथ्य एवं आत्महत्या की विवेचना करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. सामाजिक किरया के सैद्धांतिक पक्षों को जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	अगस्त कॉम्ट : 1. प्रत्यक्षवाद 2. तीन स्तरों का नियम सिद्धांत 3. विज्ञानों का संस्तरण	07	03	02	12	26.66 %
मॉड्यूल 2	हर्बर्ट स्पेन्सर : 1. उद्विकास का सिद्धांत 2. सावयवकवाद	06	02	01	09	20.00 %
मॉड्यूल 3	इमाईल दुर्खीम : 1. आत्महत्या 2. सामाजिक तथ्य का सिद्धांत	07	02	02	11	24.44 %
मॉड्यूल 4	मैक्स वेबर : 1. सामाजिक क्रिया 2. प्रोटेस्टेंट धर्म एवं पूंजीवाद 3. नौकरशाही	08	03	02	13	28.88 %
योग		28	10	07	45	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I) पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

27.10.2020

27.10.2020

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield and Nicholson. (I & II)
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories*. New Delhi: Atlantic Publisher.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.
- Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works*. London: Sage.
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories*. New Delhi: Atlantic Publisher.
- Gerth, H.H. and C. Wright Mills, (eds.) 1948. *From Max Weber: Essays in Sociology*. London: Routledge and Kegan Paul.
- Calhoun, J. Craig. (2007). *Classical Sociological Theory. 2nd Edition*. Blackwell.
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories*. New Delhi: Atlantic Publisher.

- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- रावत, हरिकृष्ण. (2005). *समाजशास्त्रीय चिंतक एवं चिंतक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

27.10.20
(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

27.10.20
(संकायाध्यक्ष)

27.10.20

27.10.2020

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 10	सामाजिक संस्थाएं	3	पंचम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	31
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	45

बीएएस - 10 : सामाजिक संस्थाएं

इकाई 1 : विवाह : अर्थ, परिभाषा, विवाह का संस्थात्मक महत्व, विवाह की उत्पत्ति एवं प्रकार, विवाह से संबंधित नियम एवं विवाह में आधुनिक परिवर्तन और परिवर्तन के कारण

इकाई 2 : परिवार : अर्थ एवं परिभाषा, प्रकार, परिवार के प्रकार्य एवं महत्व, विघटन और परिवार में आधुनिक परिवर्तन

इकाई 3 : नातेदारी: अर्थ, परिभाषा, प्रकार, उत्पत्ति के सिद्धांत, नातेदारी के भेद, श्रेणियाँ एवं नातेदारी की रीतियाँ

इकाई 4 : जाति : अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं एवं आधुनिक परिवर्तन

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी विवाह नामक सामाजिक संस्था के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी समाज में इसकी क्रियाविधि एवं उपयोगिता को जानने एवं समझने में सक्षम होंगे।
2. भारत जाति व्यवस्था की संरचना एवं कार्यों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययन के पश्चात परिवार का अर्थ, कार्य, महत्व, प्रकार एवं वर्तमान में बदलते प्रतिमानों को जानने एवं समझने में सक्षम हो सकेंगे।
4. सामाजिक संरचना की महत्वपूर्ण कड़ी नातेदारी को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. विवाह : अर्थ, परिभाषा, विवाह का संस्थात्मक महत्व, विवाह की उत्पत्ति एवं प्रकार, विवाह से संबंधित नियम एवं विवाह में आधुनिक परिवर्तन और परिवर्तन के कारण	07	02	01	10	22.22 %
मॉड्यूल 2	1. परिवार : अर्थ एवं परिभाषा, प्रकार, परिवार के प्रकार्य एवं महत्व, विघटन और परिवार में आधुनिक परिवर्तन	08	02	01	11	24.44 %
मॉड्यूल 3	1. नातेदारी: अर्थ, परिभाषा, प्रकार, उत्पत्ति के सिद्धांत, नातेदारी के भेद, श्रेणियाँ एवं नातेदारी की रीतियाँ	08	03	01	12	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. जाति : अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं एवं आधुनिक परिवर्तन	08	03	01	12	26.66 %
योग		31	10	04	45	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक संस्थाएं पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

27-10-20

27.10.2020

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- R. Parkin and L. Stone (eds.). (2004)., *Kinship and Family: An Anthropological Reader*, U.S.A.: Blackwell.
- R.Parkin and L. Stone (eds.) (1972). *Kinship and Family: An Anthropological Reader*, U.S.A.: Blackwell.
- Carsten, J. (2004). *Introduction in After Kinship*. Cambridge: Cambridge University Press.
- Radcliffe-Brown, A. R. and D. Forde (eds.), (1950). *African Systems of Kinship and Marriage*. London: Oxford University Press.
- Fortes, M. (1970). 'The Structure of Unilineal Descent Groups', in M.Fortes, *Time and Social Structure and Other Essays*, University of London: The Athlone Press.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 11	सामाजिक शोध-प्रविधि	3	पंचम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	31
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

बीएएस - 11 : सामाजिक शोध-प्रविधि

इकाई 1 : सामाजिक शोध: अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रकृति

इकाई 2 : सामाजिक शोध के प्रकार: मौलिक/विशुद्ध, व्यवहारिक एवं क्रियात्मक शोध

इकाई 3 : सामाजिक शोध के चरण

इकाई 4 : तथ्य संकलन के स्रोत : प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत, अवलोकन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार एवं वैयक्तिक अध्ययन

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. सामाजिक शोध के अर्थ एवं प्रकृति को जानने में सक्षम होंगे।
2. सामाजिक शोध के विभिन्न प्रकारों को जानने एवं इनमें अंतर करने में सक्षम होंगे।
3. अवलोकन, अनुसूची, साक्षात्कार, व्यैक्तिक अध्ययन पद्धति को जानने एवं शोध में इनका प्रयोग करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी शोध करने एवं शोध की समस्त क्रियाविधि को समझने में सक्षम हो सकेंगे।

27/10/2020

27.10.2020

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. सामाजिक शोध के अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रकृति	07	01	01	09	20.00 %
मॉड्यूल 2	1. बौद्धिक/विशुद्ध शोध 2. व्यवहारिक एवं क्रियात्मक शोध	07	02	01	10	22.22 %
मॉड्यूल 3	1. सामाजिक शोध के चरण	08	02	01	11	24.44 %
मॉड्यूल 4	1. प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत 2. अवलोकन 3. प्रश्नावली 4. अनुसूची 5. साक्षात्कार 6. वैयक्तिक अध्ययन	09	03	03	15	33.33 %
योग		31	08	06	45	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक संस्थाएं पाठ्यचर्या द्वारा निर्धारित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London: Unwin Hyman.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras: MacMillian.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi: ICSSR.
- Bryman, Alan. (2004). *Quantity and Quality in Social Research.* New York: Routledge.
- Srinivas, M.N. et. al. (2002). *The Fieldworker and the Field: Introduction in Sociological Investigation.* New Delhi: OUP.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method.* New York: The Free Press.
- Weber, Max. (1949). *The Methodology of the Social Science.* New York: The Free Press.
- Bryman, A. (2008). *Social Research Methods.* Oxford: Oxford University Press.
- कुमार, रंजीत. (2017). *शोध कार्यप्रणाली.* नई दिल्ली: सेज भाषा.

27.10.20

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

27.10.20

27.10.2020

बीएएस - 11 : समाज एवं धर्म

इकाई 1 : धर्म : समाजशास्त्रीय परिभाषा, महत्त्व एवं स्वरूप, धर्म एवं जादू टोना और धर्म एवं विज्ञान

इकाई 2 : धर्म का समाजशास्त्र : अर्थ एवं विकास

इकाई 3 : प्रमुख धर्म (हिंदू, इस्लाम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध एवं जैन), इनकी मूल विशेषताएँ व शिक्षाएँ तथा समकालीन समाज में धर्म की आवश्यकता

इकाई 4 : सांप्रदायिकता : अर्थ एवं समस्या, धर्मनिरपेक्षता : अर्थ एवं आवश्यकता

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) : समाज एवं धर्म नामक प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित में सक्षम होंगे-

1. धर्म के समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. धर्म के स्वरूपों को जानने एवं व्यक्त करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. सांप्रदायिकता के अध्ययन के पश्चात भारत में होने वाले विभिन्न सांप्रदायिक घटनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी भारत में पाए जाने वाले प्रमुख धर्मों के सामान्य जानकारी को जान सकेंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

Béteille, A. (2002). *Sociology: Essays on Approach and Method*. OUP: New Delhi.

Durkheim, E. (2001). *The Elementary Forms of the Religious Life*. Carol Cosman (trans). Oxford: Oxford University Press.

Sontheimer, Gunther-Dietz, and Hermann Kulke.(2001). *Hinduism Reconsidered*. New Delhi: Orient Black Swan.

Manohar, (2001). *Hinduism: The Five Components and their Interaction.* New Delhi: Orient Black Swan.

Fuller, C. J. (2004). *The Camphor Flame: Popular Hinduism and Society in India.* New Jersey: Princeton University Press.

Srinivas, M.N. (1952). *Religion and Society among the Coorgs of South India.* Clarendon: Oxford.

Omvedt, G. (2003). *Buddhism in India: Challenging Brahmanism and Caste.* New Delhi : Sage.

Chadwick, Owen. (1975). *The Secularization of the European Mind in the Nineteenth Century.* Cambridge: Cambridge University Press.

27.10.2020

27-10-20

षष्टम सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ प्रायोगिकी	स्वाध्याय कार्य	कुल अवधि
बीएएस – 13	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (II)	4	40	20	60	120
बीएएस – 14	भारतीय समाज के विविध स्वरूप	4	20	10	30	60
बीएएस – 15	सामाजिक आंदोलन	4	40	20	60	120
बीएएस - 16	परियोजना/क्षेत्र कार्य	4	20	10	30	60
अनिवार्य - 6	भारतीय चिंतक	4				
कुल क्रेडिट		20				

बीएएस - 13 : भारतीय सामाजिक चिंतक (II) (4 क्रेडिट)

इकाई 1 : कार्ल मार्क्स : ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन प्रणाली, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष

इकाई 2 : पेरेटो : तार्किक एवं अतार्किक क्रिया, भ्रांत तर्क, अभिजन परिभ्रमण

इकाई 3 : सोरोकिन : सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत

इकाई 4 : थोर्स्टीन वेब्लेन : संपन्न वर्ग का सिद्धांत, सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा

प्रयोगिक: प्रश्न पत्र के अध्ययन के दौरान विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रयोगिक कराए जाएंगे-

1. विद्यार्थियों द्वारा समाजशास्त्रियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
2. मार्क्स के वर्ग संघर्ष एवं ऐतिहासिक भौतिकवाद सिद्धांत का डाईग्राम निर्माण।
3. विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार टर्म पेपर लेखन एवं सेमिनार प्रस्तुति।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी कार्ल मार्क्स के वर्ग संघर्ष सिद्धांत एवं उत्पादन प्रणाली को समझने में सक्षम होंगे।
2. सोरोकिन के सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत को जानने एवं परिवर्तन की प्रक्रिया को समझने में सक्षम होंगे।
3. तार्किक , अतार्किक क्रिया, अभिजन परिभ्रमण एवं भ्रांत तर्क को समझने के साथ ही इनमें अंतर करने में सक्षम होंगे।
4. वेब्लन के सिद्धांतों को जानने के साथ ही विद्यार्थी सोरोकिन एवं वेब्लन में अंतर स्थापित कर सकेंगे।

27.10.2020

27-10-20

संस्तुत पुस्तकों की सूची :

Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield and Nicholson.

Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.

Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works*. London: Sage.

Gerth, H.H. and C. Wright Mills, (eds.) 1948. *From Max Weber: Essays in Sociology*. London: Routledge and Kegan Paul.

Calhoun, J. Craig. (2007). *Classical Sociological Theory. 2nd Edition*. Blackwell.

बीएएस - 14 : भारतीय समाज के विविध स्वरूप (4 क्रेडिट)

इकाई 1: भारतीय ग्रामीण समाज : स्वरूप एवं समस्याएँ

इकाई 2: भारतीय नगरीय समाज : विशेषताएँ एवं मुख्य नगरीय समस्याएँ

इकाई 3: भारतीय जनजातीय समाज : वितरण, समस्याएँ

इकाई 4: भारतीय समाज पर वैश्वीकरण का प्रभाव

प्रयोगिक:

1. भारतीय ग्रामीण समाज में पाए जाने वाले समस्याओं की पहचान कराना।
2. नगरीय समस्याओं की सूची तैयार कराना।
3. जनजातीय समस्याओं पर परिचर्चा एवं निवारण हेतु सुझावों को लिपिबद्ध कराना।
4. किसी भी एक इकाई पर टर्म पेपर लेखन एवं सेमिनार प्रस्तुति।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) : भारतीय समाज के विविध स्वरूप नामक प्रश्न पत्र के निम्नलिखित अधिगम परिणाम इस प्रकार हैं-

1. भारतीय ग्रामीण सामाजिक संरचना को जानने एवं सामाजिक समस्याओं की पहचान करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी जनजातीय समाज को समझने एवं इनकी वर्तमान समस्याओं को समझने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी वर्तमान भारतीय समाज में होने वाले परिवर्तनों के पीछे के वैश्विक कारणों को समझ सकेंगे।
4. नगरीय सामाजिक समस्याओं को जानने एवं ग्रामीण तथा नगरीय परिवेश में अंतर करने में सक्षम होंगे।

27.10.2020

27-10-2020

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.

Dumont, L. (1997). *Religion, Politics and History in India*. Paris: Mouton.

Sociological Theories

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

रावत, हरीकृष्ण. (2006). *उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोश*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

बीएएस - 15 : सामाजिक आंदोलन (4 क्रेडिट)

इकाई 1 : सामाजिक आंदोलन: अर्थ, परिभाषा, वैचारिकी एवं विशेषताएँ

इकाई 2 : महिला, दलित एवं जनजातीय आंदोलन

इकाई 3 : कृषक आंदोलन

इकाई 4 : पर्यावरण आंदोलन

प्रयोगिक: सामाजिक आंदोलन नामक प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को निम्नलिखित प्रयोगिक कराए जाएंगे-

1. विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण पर पोस्टर निर्माण कराया जाएगा।
2. विद्यार्थियों से कृषक आंदोलन के कारणों एवं परिणामों को सूचीबद्ध कराया जाएगा।
3. विद्यार्थियों द्वारा महिला आंदोलन का मूल्यांकन।
4. किसी एक इकाई पर टर्म पेपर लेखन एवं सेमिनार प्रस्तुति।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी सामाजिक आंदोलन के अर्थ एवं वैचारिकी से विद्यार्थी परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी पर्यावरण आंदोलन की आवश्यकता एवं महत्व को जानने में सक्षम होंगे।
3. कृषक आंदोलन के विभिन्न कारणों एवं आंदोलन के पश्चात कृषक जीवन में आए परिवर्तनों को जानने एवं समझने में सक्षम होंगे।
4. महिला, दलित एवं जनजातीय आंदोलन की विषय वस्तु से विद्यार्थी परिचित होंगे।

संतुत पुस्तकों की सूची

चावला, रमेश. (2017). *भीमराव अंबेडकर और भारतीय लोकतंत्र*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

लाल, श्याम. (2015). *अंबेडकर एवं दलित आंदोलन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

27.10.2020

27-10-20

सिंह, एन. वी. एवं सिंह, जनमेजय. (2005). *भारत में सामाजिक आंदोलन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

बीएएस - 16 : परियोजना/क्षेत्र कार्य (4 क्रेडिट)

स्थानीय किसी समस्या/विषय पर प्राथमिक तथ्यों के आधार पर लघु प्रतिवेदन

(American Psychological Association (APA) का उपयोग करते हुए रिपोर्ट लेखन करना)

मूल्यांकन प्रविधि

प्रतिवेदन एवं मौखिकी के आधार पर प्राप्तांक प्रदान किए जाएंगे। मौखिकी परीक्षा वाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी।

प्रयोगिक: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी विभिन्न शोध तकनीकों की सहायता से क्षेत्र कार्य के द्वारा परियोजना कार्य पूर्ण करेगा।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी परियोजना कार्य लिखने एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक शोध की विविध प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक घटनाओं की पहचान एवं उनका वस्तुनिष्ठ विवरण प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी सामाजिक ज्ञान में वृद्धि करने एवं पुराने ज्ञान की परख करने में सक्षम होंगे।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र

Ph.D. Sociology

पाठ्यक्रम/सत्र : 2020 – 21

SYLLABUS/SESSION 2020-21

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA
WARDHA, MAHARASHTRA

27.10.20

27-10-20

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

समाजशास्त्र विभाग

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

समाजशास्त्र विभाग संपूर्ण सामाजिक संस्थाओं एवं सामाजिक प्रघटना केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय –

समाजशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय के नवीनतम विभागों में से एक है जिसकी शुरुआत शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में की गई। यह विभाग विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत कार्य करते हुए, हिंदी भाषा के संवर्धन और विकास के साथ ज्ञान, शांति एवं मैत्री की परिकल्पना से आबद्ध अध्ययन/ शोध/ अनुसंधान आदि को समृद्ध करने के मूल उद्देश्यों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाजशास्त्र विभाग निम्न उद्देश्यों को केंद्र में रखकर कार्य कर रहा है-

1. सामाजिक तथ्यों की व्यापक समझ की दिशा में भारतीयता और भारतीय दृष्टि को ध्यान में रखते हुए अंतरविषयी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना।
2. विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराना तथा भारत में समाज और समाजशास्त्र के प्राचीन से अर्वाचीन तक के स्वरूप और परंपरा से अवगत कराना।
3. समझने पर बल देने और व्यवहारात्मक क्रियाओं या प्रैक्टिकम के माध्यम से समाजशास्त्र एवं उसके संबद्ध विषयों में छात्रों की शोध संबंधी प्रविधिगत क्षमता का संवर्धन करना।
4. वैश्विक को स्थानीय के साथ, व्यक्तिनिष्ठ को वस्तुनिष्ठ के साथ, तथ्यों को मूल्यों के साथ तथा परिमाणात्मक को गुणात्मक के साथ जोड़ते हुए गहन एवं अत्याधुनिक समाज-वैज्ञानिक अनुसंधान और मौलिक सामाजिक मुद्दों के विश्लेषण की संस्कृति को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना।
2. सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना।

3. ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
4. हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना।
5. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना।
7. अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना।
8. सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन।
9. विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन।
10. छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन।
11. वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

अध्ययन आयोजन एवं मूल्यांकन पद्धति –

1. इस पाठ्यक्रम (पीएच.डी.) के लिए न्यूनतम 03 वर्ष तथा अधिकतम 06 वर्ष की अवधि निर्धारित है। यह पाठ्यक्रम एम.ए. उत्तीर्ण के लिए कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. उत्तीर्ण के लिए 100 क्रेडिट का है।
2. प्रश्नपत्र (Paper) के लिए पाठ्यचर्या (Course) शब्दा का प्रयोग किया गया है। पाठ्यक्रम आधार (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) तथा मूल (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) पाठ्यचर्याओं में विभाजित है।
3. क्रेडिट पाठ्यचर्या के मूल्यांकन की इकाई है, जिसका मान-निर्धारण कार्य-दिवसों के बजाय वास्तविक शिक्षण/अध्ययन के घंटो पर किया गया है।
4. कोर्स वर्क के लिए अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पाठ्यचर्या 2 अथवा 4 क्रेडिट की होगी। पाठ्यचर्याओं का निर्धारण संबंधित अनिवार्य एवं ऐच्छिक में 2 और 4 क्रेडिट दोनों प्रकार की पाठ्यचर्या रखी गई है।
5. विभिन्न पाठ्यचर्याओं के मूल्यांकन के लिए सेमेस्टर की लिखित परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के बीच 3:1 (75/25) का अनुपात होगा।
6. पी-एच.डी. कोर्स वर्क के लिए परीक्षा प्रणाली (लिखित परीक्षा हेतु) इस प्रकार होगी :

(i)	दीर्घउत्तरीय/वर्णनात्मक	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
(ii)	लघुउत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
(iii)	बहुविकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
...	...	...	कुल 75 अंक

7. अंकों का ग्रेड प्वाइंट/क्रेडिट प्वाइंट के रूपांतरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुरूपता में 10 प्वाइंट स्केल पर किया जाएगा।

27-10-23

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

समाजशास्त्र विभाग

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित पी-एच. डी. पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनिवार्य (आधार एवं मूल) तथा ऐच्छिक (आधार एवं मूल) पाठ्यचर्याओं का विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम	सेमेस्टर	क्रेडिट	अवधि	सेमेस्टर	अनिवार्य (क्रेडिट प्रति सेमेस्टर 20 कुल)				ऐच्छिक				कुल क्रेडिट
					आधार (Foundation)		मूल (Core)		आधार (Foundation)		मूल (Core)		
					पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	
पी-एच.डी. समाजशास्त्र	न्यूनतम 06 अधिकतम 12 सेमेस्टर	120 /100 क्रेडिट (एम.ए. धारकों हेतु कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. धारकों हेतु 100 क्रेडिट)	1 क्रेडिट = 30 घंटे	सेमेस्टर 01*	• कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04	• शोध प्रविधि के मूलतत्व • शोध एवं प्रकाशन नैतिकता • समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि • समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार	02 02 04 04	• अंतरानुशासनिक अध्ययन	04	-	-	20
				न्यूनतम 05 सेमेस्टर तथा अधिकतम 12 सेमेस्टर			• रिसर्च एप्टीट्यूड एंड टीचिंग एप्टीट्यूड • शोध प्रबंध लेखन • मौखिकी	10 (अतिरिक्त) 80 20					100
												कुल क्रेडिट	120

टिप्पणी - *एम. फिल. उपाधि प्राप्त शोधार्थियों को कोर्स वर्क (20 क्रेडिट) से मुक्त रखा गया है। एम. फिल. के 20 क्रेडिट पी-एच.डी. में स्थानांतरित किये जाएंगें।

- अन्य मामलों अथवा समस्या निवारण के लिए विश्वविद्यालय का संबंधित अध्यादेश अथवा सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 01

अनुसंधान विधि के मूल तत्त्व (मूल) (क्रेडिट - 02)

इकाई-1 अनुसंधान

- अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, लक्षण एवं उद्देश्य
- अनुसंधान के तार्किक आधार : सामान्य बोध एवं विज्ञान में अंतर, नैतिकता एवं प्रतिमानक, सांस्कृतिक सापेक्षता, शोध में वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता के मुद्दे
- अनुसंधान के दार्शनिक आधार : तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा, प्रत्यक्षवाद एवं भाष्यशास्त्र

इकाई – 2 अनुसंधान एवं अनुसंधानकर्ता : मुद्दे, प्रक्रियाएँ एवं स्वरूप

- अनुसंधानकर्ता की आवश्यकताएँ एवं तैयारियाँ
- अनुसंधान के विभिन्न चरण एवं अनुसंधान (शोध) प्रारूप
- अनुसंधान के विभिन्न प्रकार (बुनियादी एवं व्यवहारमूलक, वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक, आनुभविक एवं अन्वेषणात्मक, मात्रात्मक एवं गुणात्मक, व्याख्यात्मक (कार्य-कारणात्मक), प्रयोगात्मक एवं मूल्यांकनात्मक तथा क्रियात्मक शोध)

इकाई – 3 तथ्य संकलन के स्रोत, पद्धतियाँ एवं प्रविधियाँ

- प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत
- आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण
- साक्षात्कार अनुसूची, प्रश्नावली, इत्यादि

इकाई - 4 अनुसंधान प्रक्रिया का प्रस्तुतीकरण

- शोध नैतिकता
- लेखन शैली
- संदर्भ एवं संदर्भ ग्रंथों का स्तरीय प्रस्तुतीकरण

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध प्रस्ताव का निर्माण करना।
- शोध पत्र लिखना।
- शोध पत्र को प्रस्तुत करना।
- समाज की समस्याओं को देख पाने की शोधपरक अंतरदृष्टि।

27-10-20

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- शोधार्थी शोध और उसके चरण से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध समस्या और प्राक्कल्पना से परिचित होंगे।
- शोधार्थी विभिन्न शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी आकड़ों के प्रकार, स्रोत एवं संग्रहण उपकरणों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध निष्कर्ष लेखन को जानेंगे।
- शोधार्थी संदर्भ और ग्रंथ-सूची निरूपण से भी परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Bames, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
- Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 02
शोध एवं प्रकाशन नैतिकता (मूल) (क्रेडिट - 02)

सिद्धांत

इकाई-1 दर्शन एवं नैतिकता

- दर्शन का परिचय: परिभाषा, प्रकृति और कार्यक्षेत्र, अवधारणा, शाखाएँ
- नैतिकता: परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णय और प्रतिक्रियाओं की प्रकृति

इकाई-2 वैज्ञानिक आचार

- विज्ञान और अनुसंधान के संबंध में नैतिकता
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध निष्ठा
- वैज्ञानिक कदाचार :मिथ्याकरण, ज़ालसाज़ी और साहित्यिक चोरी)FFP)
- निरर्थक प्रकाशनडुप्लिकेट और ओवरलैपिंग प्रकाशन :, सलामी स्लाइसिंग (salami slicing)
- चयनात्मक रिपोर्टिंग और आकड़ों का मिथ्यानिरूपण

इकाई-3 प्रकाशन नैतिकता

- प्रकाशन नैतिकता : परिभाषा, परिचय और महत्व
- पहल और दिशानिर्देश संबंधी सर्वोत्तम अभ्यास / मानक : COPE, WAME, इत्यादि
- रुचि संबंधी संघर्ष
- प्रकाशन कदाचार : परिभाषा, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार और इससे बचने संबंधी समस्याएँ, प्रकार
- प्रकाशन नैतिकता, लेखक और योगदानकर्ता का उल्लंघन
- प्रकाशन कदाचार शिकायतों और अपील की पहचान
- लुटेरे प्रकाशक और पत्रिकाएँ

अभ्यास

इकाई-4 ओपन एक्सेस प्रकाशन

- ओपन एक्सेस प्रकाशन और उपक्रम
- प्रकाशक कॉपीराइट और स्व-अभिलेखीय नीतियों की जाँच करने के लिए SHERPA / RoMEO ऑनलाइन संसाधन
- लुटेरे प्रकाशनों की पहचान करने के लिए SPPU द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर टूल
- जर्नल फाइंडर / पत्रिका सुझाव उपकरण अर्थात JANE, एल्सेवियर जर्नल फाइंडर, स्प्रिंगर जर्नल सुझावक, इत्यादि

इकाई-5 प्रकाशन कदाचार

27-10-22

अ. समूह चर्चा

- विषय विशेष के नैतिक मुद्दे, FFP, ग्रंथकारिता (authorship)
- रुचि संबंधी संघर्ष
- शिकायतें और अपील : भारत और विदेश से उदाहरण और धोखाधड़ी

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर जैसे टर्निटिन, उरकुंड और अन्य खुले स्रोत सॉफ़्टवेयर उपकरण का उपयोग

इकाई-6 डेटाबेस एवं शोध मेट्रिक्स

अ. डेटाबेस

- सूचीकरण डेटाबेस
- उद्धरण डेटाबेस : वेब ऑफ़ साइंस, स्कोपस इत्यादि।

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

- जर्नल उद्धरण रिपोर्ट, SNIP, SJR, IPP, साइट स्कोर के अनुसार जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर
- मेट्रिक्स : एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स, अल्टमेट्रिक्स

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध संबंधी नैतिक मुद्दों को लिखना।
- शोध संबंधी नैतिक समस्याओं को सूचीबद्ध करना।
- प्रकाशन संबंधी नैतिक मुद्दों को स्पष्ट करना।
- प्रकाशन संबंधी कदाचार को सूचीबद्ध करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- शोधार्थी शोध संबंधित दार्शनिक व नैतिक मुद्दों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध संबंधी वैज्ञानिक आचार से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन नैतिकता से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन के ओपन एक्सेस उपक्रम से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन संबंधी कदाचार को जानेंगे।
- शोधार्थी डेटाबेस और शोध मेट्रिक्स से परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Bird, A. (2006). *Philosophy of Science.* Routledge.
- Macintyre, Alasdair. (1967). *A Short History of Ethics.* London
- Chaddah, P. (2018). Ethics in Competitive Research: Do not get scooped do not get plagiarized. ISBN 978 9387480865
- National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute Medicine. (2009). *On Being a Scientist: A Guide to Responsible Conduct in Research. Third Edition.* National Academies Press.
- Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. *National Institute of Environmental Health Sciences,* 1-10. Retrieved from https://www.niehs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm
- Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. *Nature, 489(7415),* 179-179.
- https://doi.org/10.1038489179a
- Indian National Science Academy (INSA). Ethics in Science Education, Research and Governance (2019), ISBN : 978-51-939482-1-7. http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics_Book.pdf

29-12-20

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 03

समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई-1 समाजशास्त्रीय शोध एवं पद्धतिशास्त्रीय उन्मुखता

- समाजशास्त्रीय शोध : परिभाषा, लक्षण, उद्देश्य, सीमाएं, सामाजिक यथार्थ एवं प्रेक्षण तकनीक
- तथ्य, अवधारणा एवं सिद्धांत : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता, निर्माण एवं प्रयोग
- समकालीन पद्धतियाँ : अनुभवजन्य, तुलनात्मक, महिलावादी एवं सहभागी शोध पद्धति
- सर्वेक्षण शोध

इकाई – 2 गुणात्मक पद्धति एवं तकनीकें

- क्षेत्र शोध : परिभाषा एवं लक्षण, अभिकल्पना, क्षेत्र प्रवेश, मुख्य सूचक, सहभागी अवलोकन
- गुणात्मक पद्धति – साक्षात्कार के प्रकार एवं प्रक्रिया, वंशावली, केस अध्ययन, जीवन इतिहास एवं मौखिक इतिहास, भागेदारी ग्राम मूल्यांकन (पीआरए) एवं तीव्र ग्राम मूल्यांकन (आरआरए)
- विवरणात्मक विश्लेषण एवं व्याख्या, विश्वसनीयता परीक्षण, वैधता एवं त्रिभुजीकरण
- गुणात्मक आकड़ों का प्रस्तुतिकरण एवं लेखन

इकाई – 3 गणनात्मक पद्धति एवं तकनीकें

- प्रतिचयन विधियाँ एवं प्रतिदर्श आकार
- केंद्रीय प्रवृत्ति के माप
- विचलन, सह-संबंध एवं रिग्रेशन
- प्राक्कलपना परीक्षण

इकाई - 4 आंकड़ों विश्लेषण एवं निष्कर्ष

- शोध में इंटरनेट का प्रयोग
- विश्लेषण में एस.पी.एस.एस. का प्रयोग
- सारणीयन एवं ग्राफ़िक प्रस्तुतीकरण
- रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध प्रस्ताव का निर्माण करना।
- शोध पत्र लिखना।
- शोध पत्र को प्रस्तुत करना।
- समाज की समस्याओं को देख पाने की पद्धतिगत अंतरदृष्टि।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- शोधार्थी सामाजिक शोध और उसके स्वरूप से परिचित होंगे।
- शोधार्थी समकालीन शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी विभिन्न शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध में गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों के विश्लेषण और निर्वचन को जानेंगे।
- शोधार्थी शोध में इंटरनेट के प्रयोग एवं एसपीएसएस को भी जानेंगे।
- शोधार्थी रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण से भी परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
- Srinivas, M. N., & Shah, A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

नोट : यदि विश्वविद्यालय स्तर पर सामान्यिक रूप से इस पाठ्यचर्या (इकाई-4) के अध्यापन की व्यवस्था होगी तो ऐसी दशा में विभाग में नहीं पढ़ाया जाएगा।

27-10-20

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 04

कम्प्यूटर अनुप्रयोग (आधार) (क्रेडिट - 04)

'लीला' के पाठ्यक्रम पर आधारित अध्यापन

नोट :- इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम का निर्माण, अध्यापन, परीक्षा व मूल्यांकन आदि संबंधी समस्त कार्य 'लीला' के द्वारा किया जाएगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05
समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई-1 समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, उपयोगिता, प्रकार एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव तथा भारतीय समाज के अध्ययन के विभिन्न परिप्रेक्ष्य

इकाई-2 संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास तथा इनके नव-प्रकार

इकाई-3 प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, व्याख्यात्मक समाजशास्त्र, जीवन-विश्व सिद्धांत, आधुनिकता की आलोचना, सार्वजनिक क्षेत्र व संचार क्रिया सिद्धांत, सामाजिक हस्तक्षेप और सांस्कृतिक उपयोगिता के सिद्धांत

इकाई-4 सैद्धांतिकरण की नव-प्रवृत्तियाँ : संवेदनशीलता और आधुनिकता (एंथनी गिडेंस), ज्ञान और शक्ति (एम. फ़ोकाल्ट), उत्तर औद्योगिक समाज, सूचना समाज एवं सर्विलांस, वैश्वीकरण की चुनौटिया एवं संभावनाएं, अभ्यास के सिद्धांत (बोर्दियु)

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- शोधार्थियों में समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की महत्ता एवं व्यापकता को समझाना।
- सामाजिक प्रघटनाओं को विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोणों से समझने की दृष्टि विकसित कराना।
- सामाजिक दृष्टि से सैद्धांतिक हस्तक्षेप एवं उसके परिणाम से अवगत कराना।

अधिगम परिणाम :

- शोधार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों के अर्थ एवं विस्तार को समझ सकेंगे।
- शोधार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- शोधार्थी नव संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- शोधार्थी प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी समाजशास्त्र में सैद्धांतिकरण की नई प्रवृत्तियों और चुनौतियों से भी परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Alexander, Jeffrey C. (ed.) (1985). Neo-functionalism. London: Sage.
- Appelrouth, Scott. and Edles, D. (2008). Classical and Contemporary Sociological Theory: Text and Readings. California : Pine Forge Press.
- Bell, D. (2008). The Coming of Post-Industrial Sociology. Cambridge : Polity Press.
- Bourdieu, Pierre. (1990). In Other Words: Essays Towards a Reflexive Sociology. Oxford : Polity Press.

27-10-22

- Collins, R. (1997). Sociologic Theory. New Delhi : Rawat.
- Connerton, Paul (ed.). (1976). Critical Sociology. Harmondsworth : Penguin.
- Dahrendorf, Ralf. (1979). Class and Class Conflict in Industrial Society. London : Routledge and Kegan Paul.
- Dhanagare, D.N. (1993). Themes and perspectives in Indian sociology. Jaipur : Rawat Publication.
- Giddens, A. (1983). Central Problems in Social Theory: Action, Structure and Contradiction in Social Analysis. London : Macmillan.
- Luckmann, Thomas (ed.). (1978). Phenomenology and Sociology: Selected Readings. New York : Penguin Books.
- Marx, K & Engels, F. (1970). The German Ideology. New York : International Publishers Co.
- Merton, R. K. (1968). Social Theory and Social Structure. New York : Free Press.
- Parsons, Talcott (et. al.). (1965). Theories of Society: Foundations of Modern Sociological Theory. New York : Free Press.
- Radcliffe-Brown, A.R. (1952). Structure & Function in Primitive Societies London : The English Language Book Society Ltd.
- Ritzer, G. (1992). Sociological Theory. New York : McGraw Hill.
- Singh, Yogendra. (1983). Image of Man: Ideology & Theory in Indian Sociology. New Delhi : Chanakya Publications.
- Strauss, Levi. (1953). Social Structure. Chicago : University Press.
- Timasheff, N. S. (1967). Sociological Theory. New York : Random House.
- Zeitlin, I. M. (1998). Rethinking Sociology: A Critique of Contemporary Theory. New Delhi : Rawat.
- त्रिवेदी, एस. एम. एवं दोषी, एल. एस. (1996). उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2007). आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- नगला, के. बी. (2015). भारतीय समाजशास्त्रीय चिंतन. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2003). समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार. जयपुर: रावत प्रकाशन.

नोट :- यही प्रश्न-पत्र अन्य विषयों से समाजशास्त्र विभाग में अंतरानुशासनिक अध्ययन हेतु आने वाले शोधार्थियों को अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम (4 क्रेडिट) के रूप में भी पढ़ाया जाएगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 06
अंतरानुशासनिक (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

नोट :- पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05 - समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार (मूल) (क्रेडिट - 04) प्रश्न-पत्र को अन्य विषयों से समाजशास्त्र विभाग में अंतरानुशासनिक अध्ययन हेतु आने वाले शोधार्थियों को अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम (4 क्रेडिट) के रूप में भी पढ़ाया जाएगा।

17-10-22

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
शोध प्रबंध लेखन (क्रेडिट - 80)

- शोध प्रबंध लेखन प्रारूप (पी-एच.डी. अध्यादेश, 2020, MGAHV के अनुरूप)

1. शोधप्रबंध का मुख्य पृष्ठ-
   (क) शोध प्रबंध-का शीर्षक क्रमशः हिंदी एवं अंग्रेजी में
   (ख) पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध
   (ग) शोधार्थी एवं शोध-निर्देशक का नाम
   (घ) विश्वविद्यालय का लोगो
   (ङ) प्रस्तुति वर्ष
   (च) विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमशः पूरा नाम

2. शोधगहरा नीला :प्रबंध के मुख्य पृष्ठ हेतु प्रस्तावित रंग-

3. शोध-प्रबंध प्रस्तुतीकरण
   (क) संदर्भ पद्धति :APA
   (ख) Kokila/Arial Unicode
   (ग) फॉन्ट साइज-16
   (घ) दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5

4. शोधप्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप-

   i) घोषणा(शोधार्थी एवं निर्देशक की ओर से एक ही होगा) पत्र प्रमाणपत्र-
   ii) भूमिका
   iii) विषयानुक्रमणिका
   iv) संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यकता हो)
   v) अध्यायवार मूल अंतर्वस्तु
   vi) संदर्भ सूची
   vii) परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)

- ❖ शोध विषय आधारित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन का लेखन।
- ❖ संबंधित शोध कार्य में शोध गुणवत्ता हेतु विभिन्न पद्धति, उपकरणों का प्रयोग एवं उल्लेख आवश्यक होगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
मौखिकी (क्रेडिट - 20)

नोट :- पी-एच.डी. मौखिकी का स्वरूप खुला होगा जिसमें विभागों व केंद्रों के सभी संकाय सदस्य, शोधार्थी और अन्य इच्छुक संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के बाहर के विशेषज्ञ और शोधार्थी शामिल हो सकते हैं।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र
रिसर्च एसोशिएटशिप एवं टीचिंग एसोशिएटशिप (क्रेडिट -10) (अतिरिक्त)

नोट :-

1. रिसर्च एसोशिएटशिप के अंतर्गत विद्यार्थी को शोध विषय संबंधित न्यूनतम 2 शोध पत्रों को प्रकाशित करवाना होगा एवं उसका प्रस्तुतिकरण विभाग में देना होगा।
2. रिसर्च एसोशिएटशिप के अंतर्गत विद्यार्थी को शोध विषय संबंधित न्यूनतम 2 राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध-पत्र वाचन/प्रस्तुतिकरण देना होगा।
3. टीचिंग एसोशिएटशिप के अंतर्गत दिए गए कक्षा शिक्षण संबंधी कार्यों को पूरा करना होगा।
4. इन कार्यों का वितरण शोध निर्देशक और विभागाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप में किया जाएगा।

27-10-20

27.10.20